सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताइ पेज: 7

मृणाल ठाकुर के ए स बॉयफ्रेंड को थी इन ए टर्स से इनसि पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 319 | शनिवार 28 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कोलकाता में लगे भूकंप के झटके, लोग इमारतों से बाहर भागे

कोलकाता एजेंसी: शुक्रवार को बांग्लादेश में आए 5.4 तीव्रता के भूकंप के बाद कोलकाता और पश्चिम बंगाल के आसपास के कई जिलों में तेज झटके महसूस किए गए। अचानक आए इन झटकों से लोगों में दहशत फैल गई और एहतियातन कई लोग दफ्तरों और इमारतों से बाहर निकल आए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र ढाका के अगरगांव स्थित इटऊ सिस्मिक सेंटर के दक्षिण-पश्चिम में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 दर्ज की गई। कई लोगों के मोबाइल फोन पर आए भूकंप अलर्ट में तीव्रता करीब 5 बताई गई और केंद्र शहर से लगभग 8 किलोमीटर दूर दशार्या गया। कोलकाता के विभिन्न हिस्सों, खासकर ऑफिस कॉम्प्लेक्स और व्यावसायिक क्षेत्रों में मौजूद लोगों ने फर्नीचर के हिलने और इमारतों में कंपन महसूस होने की जानकारी दी। कई कमर्शियल हब में कर्मचारियों ने स्थिति की गंभीरता को लेकर अनिश्चितता के बीच तुरंत इमारतें खाली कर दीं

प्रधानमंत्री मोदी ने बजट को विकसित भारत का दीर्घकालिक रोडमैप बताया

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी, सुधार और वित्त विषय पर बजट के बाद आयोजित वेबिनार में कहा कि राष्ट्रीय बजट कोई शॉर्ट-टर्म ट्रेडिंग डॉक्यूमेंट नहीं, बल्कि दीर्घकालिक पॉलिसी रोडमैप होता है। उन्होंने कहा कि बजट का मूल्यांकन उन नीतियों से होना चाहिए जो इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करें, क्रेडिट फ्लो आसान बनाएं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बढ़ाएं, गवर्नेंस में पारदर्शिता लाएं और नागरिकों का जीवन सरल बनाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बजट राष्ट्र निर्माण की सतत प्रक्रिया का एक चरण है और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य इसी क्रम में आगे बढ़ रहा है। वेबिनार को प्रभावी ब्रेनस्टॉर्मिंग बनाने पर जोर प्रधानमंत्री ने कहा कि बजट

के बाद होने वाले वेबिनार केवल विचार-विमर्श तक सीमित न रहें, बल्कि व्यावहारिक अनुभवों पर आधारित प्रभावी ब्रेनस्टॉर्मिंग का मंच बनें। उन्होंने उद्योग, शिक्षाविदों, विश्लेषकों और नीति-निमार्ताओं की संयुक्त भागीदारी को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और सटीक परिणामों के लिए आवश्यक बताया। सुधारों से बनी आर्थिक मजबूती नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी का एक चौथाई बीतने के साथ भारत तेज आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण चरण में है। पिछले एक दशक में देश ने असाधारण लचीलापन दिखाया है, जो संयोग नहीं बल्कि दृढ़ नीतिगत सुधारों का परिणाम है। प्रक्रियाओं के सरलीकरण, टेक्नोलॉजी-आधारित गवर्नेंस और मजबूत संस्थागत ढांचे ने अर्थव्यवस्था को नई गति दी है। उन्होंने सुधारों के आकलन को

उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है

उन्होंने कहा कि किसी भी नीति की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और अकादमिक जगत के साझा संकल्प के रूप में रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर विकसित करने का सुझाव देते हुए

घोषणाओं के बजाय जमीनी प्रभाव से जोड़ने पर बल दिया। इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश से दीर्घकालिक उत्पादकता उन्होंने कहा कि पिछले दशक में इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर विशेष फोकस रखा गया है। हाईवे, रेलवे, पोर्ट, डिजिटल नेटवर्क और पावर सिस्टम जैसे ठोस परिसंपत्तियों से दीर्घकालिक उत्पादकता पैदा होगी। उन्होंने बताया कि 11 साल पहले सार्वजनिक पूंजीगत व्यय लगभग 2 लाख करोड़ रुपए था, जो अब बढ़कर 12 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। यह निवेश निजी क्षेत्र के लिए भी स्पष्ट संकेत है। निजी क्षेत्र और वित्तीय संस्थानों की भूमिका अहम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योग और वित्तीय संस्थानों से इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश, फाइनेंसिंग मॉडल में नवाचार और उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया और मूल्यांकन गुणवत्ता को मजबूत करने, लागत-लाभ विश्लेषण और लाइफसाइकिल कॉस्टिंग को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। विदेशी निवेश और बॉन्ड मार्केट सुधार पीएम मोदी ने कहा कि विदेशी निवेश ढांचे को अधिक सरल और निवेशक-अनुकूल बनाया जा रहा है। लॉन्ग-टर्म फाइनेंस को मजबूत करने के लिए बॉन्ड मार्केट को सक्रिय बनाने और लेनदेन प्रक्रिया को आसान करने के कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बॉन्ड मार्केट सुधारों को दीर्घकालिक विकास का प्रमुख आधार बताया। रिफॉर्म पार्टनरशिप चार्टर का सुझाव उन्होंने कहा कि किसी भी नीति की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। सरकार, उद्योग, वित्तीय संस्थानों और अकादमिक जगत के साझा संकल्प के रूप में रिफॉर्म

तमिलनाडु में 5.67 करोड़ मतदाता, 188 सीटें सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित, बनेंगे 75 हजार पोलिंग बूथ : सीईसी

नई दिल्ली एजेंसी: मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग पिछले कुछ दिनों से तमिलनाडु में है और जिला कलेक्टरों के साथ चुनावी तैयारियों की समीक्षा कर रहा है। इसी दौरान, मुख्य चुनाव आयुक्त ने राज्य में स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराया। सीईसी ज्ञानेश कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी कि वर्तमान में तमिलनाडु में 5 करोड़ 67 लाख मतदाता हैं। राज्य में 2.89 करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि 2.77 करोड़ पुरुष वोटर्स हैं। वहीं, पूरे राज्य में 7,617 ट्रांसजेंडर वोटर्स हैं। 80 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों की संख्या लगभग 4 लाख

है और 100 साल से ज्यादा उम्र के 2,530 वोटर्स हैं। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में मृत मतदाताओं, स्थानांतरित हो चुके लोगों या एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज नामों को मतदाता सूची से सही तरीके से हटाया गया है। उन्होंने कहा कि 27 अक्टूबर 2025 से 23 फरवरी 2026 तक मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण किया गया, जिसका उद्देश्य था कि कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए और कोई अपात्र व्यक्ति शामिल न हो। सीईसी ने बताया कि तमिलनाडु में 234 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र हैं, जिनमें से 188 सामान्य, 44 अनुसूचित जाति और 2 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। इस बार पूरे राज्य में लगभग 75,000 पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें से लगभग 44,000 ग्रामीण इलाकों में होंगे। सीईसी ने आगे बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए हर मतदान केंद्र पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग होगी। मतदाताओं की सुविधा के लिए हर पोलिंग स्टेशन पर औसतन 756 वोटर होंगे, जिससे आरामदायक और बिना रुकावट वोटिंग होगी। 258 पोलिंग स्टेशन की जिम्मेदारी महिलाएं संभालेंगी। दिव्यांगों की ओर से मैनेज किए जाने वाले पोलिंग स्टेशन 47 होंगे, जबकि पूरे राज्य में लगभग 265 मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मतदाता अपने मोबाइल के माध्यम से पूरी चुनावी प्रक्रिया तक पहुंच सकते हैं। वे लगभग रियल-टाइम में और बहुत सटीकता के साथ डेटा और जानकारी देख सकते हैं। अपने उम्मीदवारों से लेकर उनके दाखिल हलफनामे को भी देख सकते हैं। पोलिंग स्टेशन की डिटेल्स और वोटरों की संख्या देख सकते हैं।

मैंने सिर्फ ईमानदारी कमाई, पैसा नहीं, दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद बोले केजरीवाल

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद मीडिया से बात की और कहा कि उन्होंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने इन सालों में सिर्फ ईमानदारी कमाई है, पैसा नहीं। उन्होंने कहा कि आज, कोर्ट ने अपने 600 पेज के ऑर्डर में कहा है कि इस मामले में केस चलाने के लिए जरा भी सबूत नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि दो लोगों, पीएम मोदी और अमित शाह ने आम आदमी पार्टी को खत्म करने की यह साज़िश रची। उन्होंने कहा कि आज उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए....मैंने सिर्फ.ईमानदारी

से कमाया है, पैसा नहीं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं मोदी जी को दिल्ली में फिर से चुनाव कराने की चुनौती देता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर उन्हें 10 से ज्यादा सीटें मिलीं, तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। अपने बरी होने पर कांग्रेस के रिएक्शन पर आप के नेशनल कन्वीनर अरविंद केजरीवाल ने कहा, "मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं - केजरीवाल जेल गए। क्या रॉबर्ट वाड्रा जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या राहुल गांधी जेल गए? संजय सिंह जेल गए। क्या सोनिया गांधी जी जेल गईं? कांग्रेस क्या कह रही है? क्या उन्हें कोई शर्म नहीं है? इससे पहले दिन में एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट से बरी होने के बाद उन्होंने एक रोड शो किया। एक अहम डेवलपमेंट में दिल्ली की एक कोर्ट ने इससे पहले दिन में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उनके डिप्टी मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को पॉलिटिकल रूप से चार्ज्ड शराब पॉलिसी केस में बरी कर दिया, और सीबीआई की खिंचाई करते हुए कहा कि उसका केस ज्यूडिशियल स्क्रूटनी में पूरी तरह से टिक नहीं पाया और पूरी तरह से बदनाम हो गया। इस केस में जिन 21 लोगों को क्लीन चिट दी गई है, उनमें तेलंगाना जागृति की प्रेसिडेंट के कविता भी शामिल

अखिलेश यादव ने एनसीईआरटी विवाद को लेकर भाजपा पर साधा निशाना, कहा- सरकार है या मनमानी का सर्कस?

लखनऊ एजेंसी: समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठवीं की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक को लेकर छिड़े विवाद के संबंध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर शुक्रवार को निशाना साधा और आश्चर्य जताया कि "भाजपाई सरकार चला रहे हैं या मनमानी का सर्कस?" उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा बड़े-बड़े आरोप लगाती है और बाद में पकड़े जाने पर खेद व्यक्त करती है। उनकी यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय ने द्वारा एनसीईआरटी की पुस्तक के भविष्य में किसी भी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण या डिजिटल प्रसार पर "पूर्ण प्रतिबंध" लगाए जाने के एक दिन बाद आई है। शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि ऐसा लगता है कि न्यायपालिका को कमजोर करने और उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए एक "गहरी साजिश" और "सुनियोजित प्रयास" किया गया है। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा,

"जैसे फंसाती है चोर को खांसी, वैसे गुनाहगार को झूठी माफी।" उन्होंने कहा, "भाजपाई अपनी भ्रष्टाचारी सोच से पहले तो दूसरों पर अपने से कई गुने बड़े आरोप लगाते हैं (जिसका मूल उद्देश्य ये होता है कि दूसरों के महाकाय आरोपों के आगे उनके भ्रष्टाचार नगण्य लगें) लेकिन जब फंस जाते हैं तो 'खेद' प्रकट करते हैं।" सपा अध्यक्ष ने कहा, "दिखावटी माफी आखिरकार पकड़ी ही जाती है, ऐसे धूर्त लोगों की झूठी मंशा और कपट का एक न एक दिन पदार्फाश होता ही है, जो इस बात का भंडाफोड़ कर देता है कि वो कसूरवार हैं, बेकसूर नहीं।" उन्होंने कहा, "ताजा मामले में एनसीईआरटी की किताब में इन भ्रष्ट भाजपाइयों ने माननीय न्यायापालिका तक पर भ्रष्ट होने के इल्जाम लगाए और जब उच्चतम न्यायालय से कड़ी आपत्ति हुई तो मासूम बनकर कह रहे हैं, हमें तो मालूम ही नहीं ये किसने किया।" यादव ने कहा, "जनता पूछ रही है कि भाजपाई सरकार चला रहे हैं या मनमानी का सर्कस?"

'द केरल स्टोरी 2' पर बोली प्रियंका गांधी: बेहतर होगा शांति और प्रेम को बढ़ावा देने वाली फिल्में बनें

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' से जुड़े विवाद को लेकर शुक्रवार को कहा कि लोगों को खुद को अभिव्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन बेहतर होगा कि ऐसी चीजें बनाएं जो लोगों को खुशी दें और शांति, प्रेम और कल्याण को बढ़ावा दें। वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा ने फिल्म से जुड़े सवाल पर संवाददाताओं से कहा, "सबसे पहले, मुझे लगता है कि लोगों को खुद को अभिव्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए, लेकिन साथ ही ऐसे माहौल में जो एक-दूसरे के प्रति इस तरह की बयानबाजी, गुस्से और नफरत से भरा होता जा रहा है, रचनात्मक रूप से ऐसी चीजें बनाना बेहतर है जो खुशी दें और लोगों के बीच शांति, प्रेम और कल्याण को बढ़ावा दें।" कांग्रेस सांसद ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन की घटना के बाद सभी ने एक-दूसरे की मदद की और अपने धर्म या जाति की परवाह किए बिना ऐसा करना जारी रखा है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि यह वह भावना है जो वास्तव में भारत का सार और केरल की भावना है

और यही इसके बारे में बहुत सुंदर है।" केरल उच्च न्यायालय ने 'द केरल स्टोरी 2-गोज बियॉन्ड' के प्रदर्शन पर बृहस्पतिवार को अंतरिम रोक लगा दी और कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि फिल्म का प्रमाणन करते समय सेंसर बोर्ड ने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया। बाद में फिल्म के निमार्ता ने इस फैसले को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के समक्ष चुनौती दी।

योगी सरकार का होली धमाका और 47 हजार को तगड़ा झटका: 28 को ही आएगी सैलरी, लेकिन इन कर्मचारियों की जेब रहेगी खाली!

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने होली के त्योहार को देखते हुए राज्य के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ी खुशखबरी दी है। सरकार ने आदेश दिया है कि फरवरी 2026 का वेतन और पेंशन निर्धारित समय से पहले यानी 28 फरवरी को ही जारी कर दिया जाए। हालांकि, इस खुशी के बीच करीब 46,816 अधिकारी और कर्मचारी ऐसे हैं जिनकी होली फीकी पड़ सकती है, क्योंकि विभाग ने उनका वेतन रोकने का सख्त निर्देश दिया है।क्यों रोका गया 47 हजार कर्मचारियों का वेतन? मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश के अनुसार, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने अब तक अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्यौरा 'मानव संपदा पोर्टल' पर अपलोड नहीं किया है, उनका वेतन रोक दिया गया है। सभी कर्मचारियों को 31 जनवरी तक अपनी संपत्ति की जानकारी देनी थी। बार-बार चेतावनी के बावजूद करीब 47 हजार कर्मियों ने इसे गंभीरता से नहीं

लिया। इन कर्मचारियों को ना तो जनवरी का वेतन मिला है और ना ही फरवरी का वेतन जारी किया जाएगा। 10 मार्च तक का आखिरी मौका सरकार ने इन कर्मचारियों को राहत देते हुए एक अंतिम अवसर दिया है। 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक मानव संपदा पोर्टल को दोबारा खोला गया है। यदि कर्मचारी 10 मार्च तक अपनी संपत्ति का विवरण अपडेट कर देते हैं, तो उनका रुका हुआ दोनों महीनों का वेतन जारी कर दिया जाएगा। यदि इस बार भी लापरवाही बरती गई, तो वेतन रुकने के साथ-साथ प्रमोशन पर रोक, विदेश यात्रा की अनुमति न मिलना और अन्य विभागीय जांच जैसी सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। लापरवाह अफसरों पर भी गिरेगी गाज वित्त विभाग ने साफ कर दिया है कि यह नियम सभी के लिए अनिवार्य है। यदि किसी विभाग ने संपत्ति का ब्यौरा न देने वाले कर्मचारी को जनवरी का वेतन जारी कर दिया था, तो संबंधित आहरण-वितरण अधिकारी (डीडीओ) के खिलाफ भी अनुशासनहीनता की कार्रवाई की जाएगी।

अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को मिली क्लीन चिट को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देगी सीबीआई

नई दिल्ली एजेंसी: सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में राउज एवेन्यू कोर्ट से अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दूसरे आरोपियों को मिली क्लीन चिट को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देने वाली है, सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह कदम दिल्ली की एक कोर्ट के सीबीआई चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार करने और सभी 23 आरोपियों को बरी करने के एक दिन बाद आया है। कोर्ट ने जांच में गंभीर कमियों और पहली नजर में मामला साबित करने के लिए जरूरी सबूतों की कमी का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट में कई कमियां थीं, जिनके सबूत नहीं मिले। सीबीआई पिछली एएपी सरकार की अब खत्म कर दी गई एक्साइज पॉलिसी को बनाने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रही है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके पूर्व डिप्टी मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में बरी कर दिया गया। दिल्ली की एक कोर्ट ने सीबीआई को कड़ी फटकार लगाई और फैसला

सुनाया कि प्रॉसिक्यूशन अपने आरोपों को भरोसेमंद सबूतों से साबित करने में नाकाम रहा है। कोर्ट ने कहा कि बड़ी साज़िश और क्रिमिनल इरादे के दावे ज्यूडिशियल जांच में खरे नहीं उतरे, और कहा कि रिकॉर्ड में मौजूद मटीरियल इसके बजाय एडमिनिस्ट्रेटिव फैसले लेने की

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में राउज एवेन्यू कोर्ट से अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और दूसरे आरोपियों को मिली क्लीन चिट को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती देने वाली है, सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ओर इशारा करते हैं। केजरीवाल ने फैसले पर इमोशनल होकर प्रतिक्रिया दी, और इस केस को आजाद भारत की सबसे बड़ी पॉलिटिकल साज़िश कहा, जिसे कथित तौर पर भाजपा ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी को सत्ता से हटाने के लिए रचा था। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को भी सत्ता के लिए देश और संविधान के साथ इस तरह से नहीं खेलना चाहिए दिल्ली कोर्ट ने केजरीवाल के खिलाफ सबूतों की कमी पर ध्यान दिलाते हुए कहा कि गंभीर आरोपों को मटीरियल से सपोर्ट करने की जरूरत है, क्योंकि बिना सबूत के मुख्य साज़िश करने वाली भूमिका को साबित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि अगर यह पाया जाता है कि प्रॉसिक्यूशन के दावों को मटीरियल से सपोर्ट नहीं किया गया, तो ऑफिस में लोगों का भरोसा कम होता है।

सिसोदिया को बरी करते हुए कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन का केस ज्यूडिशियल जांच में टिक नहीं पाया और सिसोदिया की तरफ से किसी क्रिमिनल इरादे का कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि जब डॉक्यूमेंट्स को रिकॉर्ड में मौजूद बयानों के साथ पढ़ा गया, तो उनमें किसी गलत काम के बजाय एडमिनिस्ट्रेटिव सोच-विचार दिखा।

हिंदी दैनिक
सब का सपना
विचार मंथन
अमरोहा
शनिवार 28 फरवरी 2026
www.sabkasapna.com

संपादकीय

सुप्रीम संवेदनशीलता

भारतीय समाज में किसी भी तरह की हिंसा से पीड़ित महिलाओं के लिये न्याय पाने की प्रक्रिया में न्यायिक तंत्र की विसंगतियों से जूझना कष्टप्रद रहा है। समाज में सोच रही है कि पहले ही हिंसा का शिकार हुई स्त्री द्वारा अपनी आपबीती को बार-बार दोहराना पुनः उसी यंत्रणा से गुजरना जैसा होता है। उसकी अभिव्यक्ति की गोपनीयता व पहचान सुरक्षित रखने की भी जरूरत महसूस की जाती रही है। विडंबना यह भी रही है कि अक्सर स्त्री के खिलाफ हुई हिंसा से जुड़े मामले में सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच वाली मानसिकता का वर्चस्व रहता है। निर्विवाद रूप से हर तरफ से हारा-हताश व्यक्ति न्याय की चौखट पर अंतिम सहारे के रूप में जाता है। लेकिन कई बार देखने में आया है कि स्त्री के विरुद्ध हुए अपराध के मुकदमे के दौरान टिप्पणियों व फैसले पर पूर्वाग्रहों का असर नजर आता है, जिसे पहले से पीड़ित स्त्री के कष्ट में इजाफा ही होता है। कहा जाता है कि इस प्रक्रिया में यदा-कदा संवेदनशीलता व करुणा का भाव नदारद पाया गया। यही वजह है कि समय-समय पर शीर्ष अदालत ने न्यायाधीशों के निर्णयों को रूढ़िवादिता के प्रभाव से मुक्त करने के लिये प्रयास किए हैं। इसी आलोक में पिछले दिनों देश की शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा व स्त्री से जुड़े अन्य अपराधों के परिप्रेक्ष्य में जजों तथा न्यायिक प्रक्रिया से जुड़े लोगों के लिए संवेदनशीलता तथा करुणा विकसित करने की पहल की है। दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। निस्संदेह, इस संवेदनशील पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। स्पष्ट है कि सुप्रीम कोर्ट का यह प्रयास भविष्य में नई लीक बनाएगा, जिसमें न्यायाधीश स्त्री के विरुद्ध यौन हिंसा व अन्य अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ सुनवाई कर सकेंगे। इसके साथ ही संभव हो सकेगा कि उनके फैसलों पर किसी सामाजिक भेदभाव की धारणा व पूर्वाग्रह का असर नजर न आए। निस्संदेह, इस प्रयास से न्याय को अधिक मानवीय व संवेदनशील बनाने में मदद मिल सकेगी। विगत में भी इस दृष्टिकोण की कमी न्यायिक प्रक्रिया में महसूस की जाती रही है।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

शांति से डिगती दुनिया पहुंची युद्ध के मुहाने पर

डॉ हिदायत अहमद खान

आज का वैश्विक परिदृश्य अस्थिरता और संघर्ष के संकटों से जूझता हुआ नजर आ रहा है। रुस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी तनाव, इजराइल और हमास के बीच गाजा में संघर्ष, सीरिया संघर्ष, ईरान पर अमेरिकी हमले की आशंका, और अब पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान के बीच सीमा पर सैन्य टकराव ने स्पष्ट कर दिया है कि दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच डूरंड लाइन पर लगातार बढ़ते तनाव ने स्थिति को सीधे सैन्य संघर्ष में तब्दील कर दिया है। वैसे पाकिस्तान इन दिनों अशांति के चरम दौर से गुजर रहा है, ऐसे में उसका अफगानिस्तान से सीधा टक्कर लेना किसी बड़े झमेले में फंसने से कम नहीं है। तालिबान पर तरह-तरह के आरोप लगाकर एयरस्ट्राइक कर अपनी पीठ थपथपाने के बाद जो तस्वीर सामने आ रही है वह न सिर्फ चिंता में डालने वाली है बल्कि इंसानियत के नाते भयावह भी है। दरअसल पाकिस्तान को जवाब देते हुए अफगान सेना ने दावा किया है कि पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर 55 सैनिकों को मार गिराया और कई को बंदी बना लिया गया है। वहीं पाकिस्तान ने काबुल, कंधार और पक्तिका में हवाई हमले कर 130 से अधिक अफगान लड़ाकों को ढेर करने का दावा किया है। इससे पहले अफगानिस्तान कह चुका है कि पाकिस्तान ने आम नागरिकों को निशाना बनाया है, जिसमें मौतें भी हुई हैं। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने 'ऑपरेशन गजब लिल हक' के तहत तालिबान ठिकानों और चौकियों पर बमबारी की. जबकि अफगान प्रवक्ता ने पाकिस्तानी चौकियों और ब्रिगेड मुख्यालयों को निशाना बनाने का दावा किया। इस सैन्य संघर्ष में आम नागरिकों की जान पर सबसे ज्यादा खतरा मंडरा रहा है। शरणार्थी शिविरों पर मिसाइल हमलों से महिलाओं और बच्चों सहित दर्जनों घायल और मृत हुए हैं। दरअसल इस पूरे विवाद की जड़ 2,611 किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन है, जिसे अफगानिस्तान कभी मान्यता नहीं देता। टीटीपी की गतिविधियाँ और मध्यस्थता के टूटने से सीमा पर हालात और नाजुक हो गए हैं। ऐसे समय में पाकिस्तान द्वारा भारत को इस संघर्ष में घसीटने की कोशिश ने क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तालिबान को भारत का 'प्रॉक्सी' करार देते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं, जबकि कई विश्लेषक इसे आंतरिक असफलताओं और सीमा पर नियंत्रण खोने का ध्यान भटकाने वाला कदम मान रहे हैं।

दक्षिण एशिया में यह तनाव वैश्विक शांति के लिए भी चिंता का विषय है। अगर यह संघर्ष और बढ़ा, तो क्षेत्रीय अस्थिरता और मानवीय संकट गहरा सकता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टकराव न केवल स्थानीय लोगों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है, बल्कि वैश्विक तेल, वाणिज्य और निवेश पर भी असर डाल सकता है। आखिर यह कैसे भुलाया जा सकता है भारत की सीमा से लगे अधिकांश देशों में हिंसा बढ़ी है, जेन-जी क्रांति ने नेपाल और ढाका में तो सत्ता पलटने का काम भी किया है, ऐसे में पाकिस्तान और अफगानिस्तान का संघर्ष वाकई बड़ी चिंता पैदा करने वाला है। इसलिए वैश्विक स्तर पर शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों का महत्व बढ़ गया है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने भरोसेमंद सहयोगियों जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ को मध्यस्थता के लिए नियुक्त किया है। उन्होंने जिनेवा में ईरान, यूक्रेन और गाजा से संबंधित कई उच्चस्तरीय वार्ता की। ईरानी परमाणु समझौते और अमेरिका-इजराइल संभावित हमलों को टालने के प्रयासों के अलावा, यूक्रेन-रूस संघर्ष में भी संवाद का रास्ता खोलने की कोशिश की गई। कुशनर और विटकॉफ की सक्रियता यह दशार्ती है कि कूटनीति केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि व्यक्तिगत और व्यावसायिक नेटवर्क भी संकट समाधान में भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि, इन प्रयासों में कई चुनौतियाँ हैं। गाजा, अफगानिस्तान और यूक्रेन के मुद्दे तकनीकी, ऐतिहासिक और सामाजिक जटिलताओं से भरे हुए हैं। एक ही समय में इन सभी समस्याओं का समाधान ढूंढना व्यावहारिक रूप से कठिन है। ऐसे में कहना गलत नहीं होगा कि निजी दूतों की भूमिका में पारदर्शिता की कमी और व्यावसायिक हितों का टकराव शांति प्रयासों में बाधक बन सकता है। फिलहाल, दुनिया शांति और युद्ध के बीच संवेदनशील संतुलन पर खड़ी है। युद्ध की संभावनाएँ केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर आर्थिक और मानव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है कि वह सभी पक्षों को संयम बरतने, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विवादों को कूटनीतिक संवाद के माध्यम से सुलझाने के लिए प्रेरित करे।

शांति की राह हमेशा आसान नहीं होती, लेकिन यही मानव सभ्यता के अस्तित्व को बचाए रखने की अंतिम कुंजी है। युद्ध की जटिलताओं और हिंसा के साये में मानवता के लिए यही चुनौती है कि हम सहयोग, संवाद और समझौते के रास्ते ढूंढें। यह केवल सरकारों का काम नहीं, बल्कि वैश्विक नागरिकों, संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की साझा जिम्मेदारी बन गई है कि वे युद्ध के खतरे को कम करें और स्थायी शांति की दिशा में कदम आगे बढ़ाएँ। यहां यह भी न भूलें कि बेशक वर्तमान में दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है, लेकिन यही वह समय है, जबकि हम शांति की बात करें, कूटनीति को प्राथमिकता दें और ऐसे कदम उठाएँ जिससे संघर्ष के अंधकार को रोका जा सके। यही मानवता की जिम्मेदारी और सबसे बड़ा उद्देश्य है।

विरोध के मंच और तरीके से कांग्रेस की साख पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

विरोध और मतभिन्नता लोकतंत्र का आभूषण होता है। लेकिन विरोध का तरीका क्या हो या फिर किस जगह पर हो, इसकी समझ होनी चाहिए। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है। स्वाधीनता आंदोलन के साथ-साथ इतिहास के हर आगे बढ़ते पग के साथ कांग्रेस आगे बढ़ती रही है। विरोधी आंदोलन चलाने का स्वाधीनता के पहले उसका लंबा इतिहास रहा। आजादी के बाद सबसे ज्यादा वक्त शासन का अनुभव भी उसी के पास है। इस वजह से उससे लोकतांत्रिक विरोध के तरीकों और विरोध के लिए चुने जाने वाले मंचों को लेकर विशेष उम्मीद रखना बेमानी नहीं है। शायद यही वजह है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में उसकी ओर से किए गए विरोध प्रदर्शनों को राष्ट्रीय समर्थन मिलता नहीं दिख रहा। पूर्व पत्रकार पवन खेड़ा जैसा प्रवक्ता 20 फरवरी के विरोध प्रदर्शन को चाहे जितना भी वाजिब ठहरा रहा हो, कांग्रेस की इस विरोध प्रदर्शन के लिए किरकिरी ही हो रही है।

संसद से लेकर सड़क तक ज्यादातर मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ कांग्रेस का साथ देने वाले ज्यादातर विपक्षी दलों को भी युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन नहीं रूचा है। ज्यादातर विपक्षी दलों ने इस प्रदर्शन को अनुचित बताया है। अखिलेश यादव ने शायद सबसे गंभीर बात कही है। उन्होंने कहा है कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन वैश्विक मंच पर ऐसा विरोध प्रदर्शन उचित नहीं था। अखिलेश यहीं तक नहीं रूके, उन्होंने कांग्रेस को एक तरह से नसीहत देते हुए कहा कि देश को विदेशी प्रतिनिधियों के सामने शर्मिंदा करने से बचना चाहिए। कांग्रेस के साथ हर मुमकिन मौके पर गलबहियां डालकर चलने वाले राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी एक तरह से कांग्रेस को उपदेश ही दिया है। मनोज झा का कहना है कि शिकायतें हो सकती हैं, लेकिन विरोध का तरीका बेहतर हो सकता है।

ऐसा नहीं कि भारतीय लोकतंत्र में विरोध की परंपरा नहीं रही है। भारतीय राजनीति के चिर विद्रोही कहे जाने वाले लोहिया ने विरोध करने का जो मुहावरा दिया, वह भारतीय राजनीति का सर्वस्वीकार्य रहा है। उन्होंने संसद से सड़क तक विरोध का तरीका बताया। लोहियावादी विरोध कई मायनों में आक्रामक ही कहा जाएगा। लेकिन विरोध कब और कहां किया जाना चाहिए, उसकी जगह क्या होनी चाहिए, इसे लेकर भी भारतीय राजनीति में आमराय रही है। विरोध के मंच ऐसे नहीं होने चाहिए, जिससे भारत की एक राष्ट्र के रूप में वैश्विक शर्मिंदगी उठानी पड़े। इस सूत्र वाक्य को भारतीय राजनीति अपनाती रही है। लेकिन नई दिल्ली के भारत मंडपम में बीस फरवरी को युवा कांग्रेस की ओर से किया गया विरोध प्रदर्शन इस सूत्र वाक्य का एक तरह से उल्लंघन ही माना जाएगा। शायद यही वजह है कि कांग्रेस के समर्थक और साथी दल इसकी आलोचना कर रहे हैं या फिर कांग्रेस को नसीहत दे रहे हैं।

जिस इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन के मंच का इस्तेमाल युवा कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी के विरोध के लिए किया, उसमें दुनिया भर के 118 देशों के सरकारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 16 फरवरी से 21 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में 22 देशों के शासनाध्यक्षों और मंत्री स्तर के 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन के बाद जो नई दिल्ली घोषणापत्र जारी किया गया, उस पर 88 देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने हस्ताक्षर करके अपनी सहमति जताई है। जिसमें अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस जैसे प्रमुख देशों की भी भागीदारी है। इस सम्मेलन में 100 से अधिक वैश्विक स्तर के एआई नेता और 500 से अधिक स्टार्टअप्स ने भी शिरकत की। इस सम्मेलन की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस के घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने भी हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले पेरिस में हुए एआई वैश्विक सम्मेलन के बाद जारी घोषणा पत्र में अमेरिका और ब्रिटेन ने हस्ताक्षर नहीं किया था। जबकि पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक मामलों में फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन एक ही खेमे के देश हैं। जाहिर है कि ऐसे मंच का महज प्रधानमंत्री के विरोध के लिए इस्तेमाल करना सही कदम नहीं माना जाएगा।

भले ही इस विरोध प्रदर्शन को मायावती भी अनुचित बता चुकी हों, वाईएसआर कांग्रेस के नेता जगनमोहन रेड्डी गलत बता चुके हों, फिर भी कांग्रेस द्वारा इसे वाजिब ठहराया जाना साबित करता है कि पार्टी के केंद्रीय ढांचे में उचित-अनुचित का भेद करने वाली शख्सियतों की कमी हो गई है। कांग्रेस के इस विरोध प्रदर्शन को विपक्षी खेमे में ही उसकी सत्ता से दूरी से उपजी हताशा को माना जा रहा है। लेकिन विपक्षी खेमा इसके लिए कांग्रेस के नेतृत्व को ही जिम्मेदार ठहराता है। कांग्रेस के कुछ अंदरूनी नेता भी मानते हैं कि राहुल गांधी की अगुआई वाली कांग्रेस के केंद्रीय घेरे में दूरगामी सोच वाले नेताओं की बहुत कमी हो गई है। इसलिए पार्टी में एकाधिकारवादी और बेपरवाह सोच हावी होती गई है। विपक्षी खेमे के साथ ही पार्टी के कुछ लोग मानते हैं कि अगर पिछले आम चुनाव से पहले नीतीश कुमार को राहुल की अगुआई वाली कांग्रेस ने अपना नेता मान लिया होता या फिर इंडिया गठबंधन का संयोजक स्वीकार कर लिया होता तो संभवतः देश का इतिहास कुछ और होता। इसकी वजह यह है कि नरेंद्र मोदी के बरक्स नीतीश कुमार ही ऐसे नेता हैं, जिनकी राष्ट्रव्यापी एक छवि है। नीतीश के पास बिहार के अतिरिक्त देश के दूसरे इलाके में जमीनी नेतृत्व और संगठन नहीं है। लेकिन उनकी पहचान पूरे देश में है और उनकी छवि भी विपक्षी खेमे के दूसरे नेताओं की तुलना में कहीं ज्यादा पाक-साफ है। मौजूदा कांग्रेस की कमी यह है कि वह अगले पल उठाए जाने वाले अपने हर कदम के परिणामों का आकलन राहुल गांधी की राजनिक सेहत के लिहाज से करती है। कांग्रेसी आलानेतृत्व की सलाहकार मंडली नहीं चाहती कि विपक्ष में ऐसी कोई शख्सियत उभरे, जिससे राहुल की प्रासंगिकता कमजोर हो। मोदी के बरक्स लड़ाई में वह दूसरे किसी विपक्षी नेता को उभरते हुए नहीं देख सकती। मोदी विरोध में कदम उठाते वक्त वह भूल जाती है कि उन कदमों का राजनीतिक हासिल क्या होगा? फिर राहुल समर्थक मंडली उन्हें मोदी के बरक्स सिर्फ नैरेटिव केंद्रित राजनीति की ही सलाह देती है। इन वजहों से राहुल का विरोध भी देश को उनकी तरफ आकर्षित करने का माध्यम नहीं बन पा रहा है।

भारत मंडपम् में पूरे पांच दिन चले कार्यक्रम के चलते

समूची दिल्ली ट्रैफिक जाम से हलकान रही। इसका असर गुड़गांव और नोएडा के ट्रैफिक पर भी पड़ा। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की कल्पनाहीनता से ट्रैफिक में फंसकर दिल्ली तकरीबन पूरे पांचों दिन हांफती रही। इंडिया एआई इम्पैक्ट सम्मेलन का ध्येय वाक्य ह्यसर्वजन हिताय, सर्वजन सुखायह्न को भी लोग कोसते दिखे। कहने का मतलब यह है कि इस सम्मेलन की अहमियत के बावजूद इससे एक बड़ा तबका हलकान रहा। अव्वल तो ऐसे माहौल में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को समर्थन मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा होता एकदम नहीं दिखा। कांग्रेस हालांकि दावा करती है कि देश अब मौजूदा सरकार से नाराज है। अगर उसके ही दावों को सच मान लें तो होना तो यह चाहिए था कि कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को देश हाथोंहाथ ले। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस आलानेतृत्व के कदम आम लोगों में भरोसा पैदा नहीं कर पाए हैं। कांग्रेस की केंद्रीय सलाहकार मंडली की सलाहें जनता के दिलों में मोदी विरोधी हिलोरें पैदा नहीं कर पा रही हैं, तो इसकी वजह यही है कि पार्टी के विरोध करने के शऊर, मुद्दे और मंच सही नहीं हैं। इसी वजह से उनकी साख नहीं बन पा रही है। सबसे पुरानी पार्टी होने के नाते कांग्रेस को पता है कि राजनीति में साख का क्या महत्व होता है।

रमन की विरासत और नारी नेतृत्व: विकसित भारत का वैज्ञानिक युग

सपनों को हकीकत में बदलने की कुंजी है विज्ञान... मानव जीवन को विज्ञान ने आज बेहद आसान और सुविधाजनक बना दिया है। युवाओं की विज्ञान के प्रति आज के समय में कितनी रूचि है, इसी पर देश का भविष्य निर्भर करता है। युवाओं के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के दिलोदिमाग में विज्ञान के प्रति अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए ही प्रतिवर्ष 28 फरवरी को 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' मनाया जाता है। दरअसल इस दिवस के जरिये बच्चों को विज्ञान को बतौर कैरियर चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि देश की आने वाली पीढ़ी विज्ञान के क्षेत्र में अपना उल्लेखनीय योगदान दे सके और देश प्रगति के मार्ग पर निरन्तर अग्रसर रहे। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार के लिए राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में नामित करने के लिए वर्ष 1986 में भारत सरकार को कहा गया था और सरकार द्वारा इसे स्वीकृति प्रदान किए जाने के बाद से 28 फरवरी 1987 से प्रतिवर्ष इसी दिन भारतीय विज्ञान के क्षेत्र में एक महान कार्यक्रम के रूप में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता रहा है। यह दिवस भारत के महान् वैज्ञानिक भौतिक शास्त्री सर सी. वी. रमन की खोज 'रमन प्रभाव' को सदैव याद रखने और विश्व पटल पर विज्ञान के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करने वाले इस वैज्ञानिक को सम्मान देने के लिए उनकी स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल सर सी वी रमन भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में पहले ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने भारत में ऐसे आविष्कार पर शोध किया था।

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंस में 1907 से 1933 तक सर चन्द्रशेखर वेंकट रमन ने कार्य किया था। उस दौरान उन्होंने भौतिकी के कई बिन्दुओं पर शोध किया था, जिसमें से 'रमन प्रभाव' (प्रकाश के फैलने पर प्रभाव, जब विभिन्न वस्तुओं के द्वारा उसे गुजारा जाता है) उनकी महान सफलता और खोज बनी, जो न केवल विज्ञान जगत में लोकप्रिय हुआ बल्कि पूरी दुनिया ने उनकी इस खोज को सराहा। सर सी वी रमन की यह खोज 28 फरवरी 1928 को दुनिया के सामने आई थी, जिसके बाद पूरी दुनिया में उनकी इस खोज ने तहलका मचा दिया था। उनके इसी बड़े आविष्कार के लिए वर्ष 1930 में उन्हें भौतिकी के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा

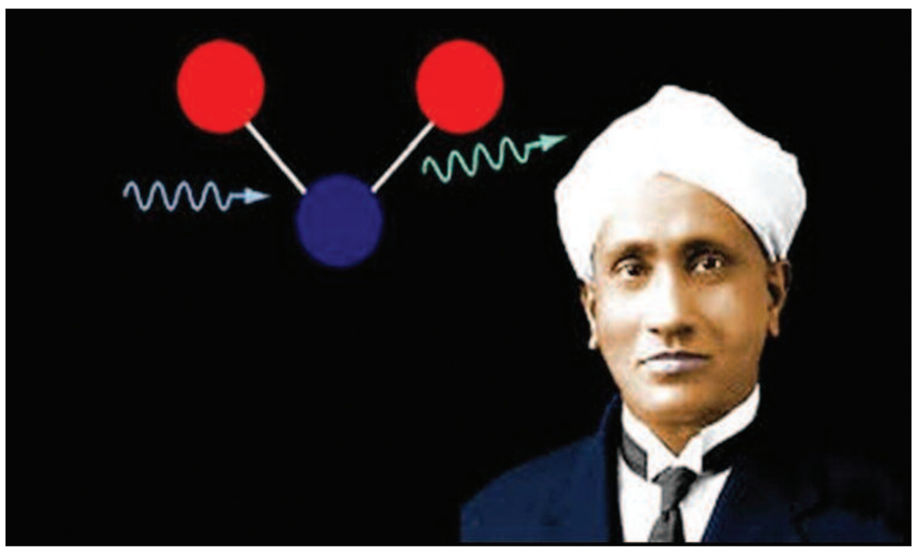

माना जाने वाला 'नोबेल पुरस्कार' दिया गया था। वे एशिया के ऐसे पहले व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने का गौरव हासिल हुआ था। 'रमन प्रभाव' खोज के लिए उन्हें नोबेल पुरस्कार के अलावा भी अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने के पश्चात् भारत लौटने पर उन्होंने कहा था कि मेरे जैसे न जाने कितने ही रमन सुविधाओं और अवसरों के अभाव में यूं ही अपनी प्रतिभा गंवा देते हैं, जिससे केवल उनका ही नहीं बल्कि पूरे भारतवर्ष का नुकसान है, जिसे हमें रोकना होगा।' वर्ष 2013 से अमेरिकन केमिकल सोसायटी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ऐतिहासिक केमिकल लैंडमार्क के रूप में 'रमन प्रभाव' को नामित किया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रतिवर्ष एक निर्धारित थीम के तहत मनाया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2026 का विषय है 'विज्ञान में महिलाएंः विकसित भारत को उत्प्रेरित करना'। 2023 से 2025 तक राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्रमशः 'वैश्विक भलाई के लिए वैश्विक विज्ञान', 'विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीक' और 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना' थीम के साथ मनाया गया था। वर्ष 2022 की थीम थी 'सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण' और वर्ष 2021 की थीम थी 'एसटीआई का भविष्य : शिक्षा कौशल और कार्य का प्रभाव'। एसटीअई का अर्थ है साइंस, टैक्नोलॉजी एंड इनोवेशन। यह विषय शिक्षा कौशल और कार्य पर विज्ञान, प्रोद्योगिकी और नवाचार (एसटीअई) के भविष्य में पड़ने वाले प्रभाव पर प्रकाश डालता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की वर्ष 1999 से लेकर अब तक की थीम पर नजर डालें तो वर्ष 1999 का विषय था 'हमारी बदलती धरती'। वर्ष 2000 का विषय था 'मूल विज्ञान में रूचि उत्पन्न करना, 2001 का 'विज्ञान शिक्षा के लिए सूचना तकनीक', 2002 का 'पश्चिम से धन', 2003 का 'जीवन की रूपरेखा : 50 साल का डीएनए और 25 वर्ष का आईवीएफ', 2004 का 'समुदाय में वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देना', 2005 का 'भौतिकी को मानना', 2006 का 'हमारे भविष्य के लिए प्रकृति की परवरिश करें', 2007 का 'प्रति द्रव्य पर ज्यादा फसल', 2008 का 'पृथ्वी ग्रह को समझना', 2009 का 'विज्ञान की सीमा को बढ़ाना', 2010 का 'दीर्घकालिक विकास के लिए लैंगिक समानता, विज्ञान और तकनीक, 2011 का ह्यदैनिक जीवन में रसायन', 2012 का 'स्वच्छ ऊर्जा विकल्प और परमाणु सुरक्षा', 2013 का 'अनुवांशिक संशोधित फसल और खाद्य सुरक्षा', 2014 का 'वैज्ञानिक मनोवृत्ति को प्रोत्साहित करना', 2015 का 'राष्ट्र निर्माण के लिए विज्ञान', 2016 का 'देश के विकास के लिए वैज्ञानिक मुद्दों पर सार्वजनिक प्रशंसा बढ़ाने के लक्ष्य', 2017 का 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकलांग व्यक्तियों के लिए', 2018 का 'एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' तथा वर्ष 2019 का राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लिए लोग' था। देश में अन्य क्षेत्रों के अलावा विज्ञान के क्षेत्र में भी महिलाओं के योगदान के मद्देनजर उन्हें सम्मान देने के उद्देश्य से 2020 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम रखी गई 'विज्ञान के क्षेत्र में महिलाएं' (वूमेन इन साइंस)।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का सबसे बड़ा उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विभिन्न वैज्ञानिक आविष्कारों की महत्ता से परिचित कराना होता है, इसके अलावा वैज्ञानिक सोच रखने वाले लोगों को अवसर उपलब्ध कराना तथा उन्हें उनके कार्य के लिए प्रोत्साहित करना भी इसका अहम उद्देश्य है। विज्ञान के विकास के लिए नई तकनीकों को लागू कर विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने जैसे उद्देश्य राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के आयोजन में निहित हैं। विज्ञान के जरिये ही वैज्ञानिकों ने नई-नई तरह की तकनीकों का आविष्कार किया है और वैज्ञानिकों ने इन खोजों के जरिये मानव जीवन को बहुत बेहतर बना दिया है। इसी विज्ञान के जरिये हम रोबोट, कम्प्यूटर इत्यादि बनाने में सफलता प्राप्त करने के अलावा अंतरिक्ष तक में पहुंच गए हैं और असंभव दिखने वाले कार्यों को भी विज्ञान की मदद से ही संभव बनाते रहे हैं। विज्ञान की मदद से ही बनाई गई प्रतिदिन बहुत सारी तकनीकों और वस्तुओं का इस्तेमाल हम अपने दैनिक क्रियाकलापों में करते भी हैं। ऐसे में हम सभी के लिए हमारे जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना बेहद जरूरी है। हमारा समाज 21वीं सदी में जिस प्रकार अंधविश्वासों के साये में जीता है, ऐसे में विज्ञान की महत्ता समझते हुए समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करते हुए इन अंधविश्वासों के निर्मूलन की जिम्मेदार हम सबकी है।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत लखनऊ के वैज्ञानिकों ने किसानों को बताएं आय बढ़ाने के तरीके

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के गांव बिहपुरी में 'नोरैक्स फ्लेवर्स लिमिटेड' ने 'प्रोजेक्ट संकल्प' के तहत एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सीएसआईआर- सीमैप (CIMAP) लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राकेश कुमार ने किसानों को आधुनिक एवं उन्नत कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। बता दें कि डॉ. राकेश कुमार ने प्रशिक्षण का नेतृत्व करते हुए किसानों को सतत एवं पुनर्योजी कृषि पद्धतियों (Regenerative Agriculture) पर व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया।उन्होंने उन्नत फसल प्रबंधन और विशेष रूप से पुदीना की सतत खेती पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक तरीकों और जलवायु-अनुकूल खेती

से किसान लागत कम कर पैदावार बढ़ा सकते हैं। डॉ. कुमार ने किसानों को जिम्मेदार कृषि इनपुट और पर्यावरण-अनुकूल पद्धतियों का उपयोग करने की सलाह भी दी।कार्यक्रम में नोरैक्स फ्लेवर्स लिमिटेड के शशांक अग्रवाल भी मौजूद थे। कंपनी के क्वालिटी हेड ललित कुमार यादव और अनुराग नाथ ने सत्रों में सक्रिय भागीदारी की।उन्होंने सतत सोर्सिंग, गुणवत्ता आधारित खेती और किसानों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी पर अपने विचार साझा किए। फील्ड टीम से दीपक शर्मा और एग्रोनॉमिस्ट अरुण यादव ने किसानों को तकनीकी बारीकियां समझाईं।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहपुरी सहित मूरगूपुर, शाहपुर राजेड़ा, बेलखेड़ा, आजमपुर, कमेलपुर, सेरकपुर और जुझैला जैसे आसपास के गांवों से 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया। उपस्थित प्रमुख किसानों में सतवीर सिंह, शंकर सिंह, रमेश चंद, दुष्यंत कुमार, लोकेश कुमार, हरि सिंह, जगदीश, तेजपाल सिंह, अनिकेत कुमार, रामदेई, सोमवती, कोमल, चंचल देवी, संतोष देवी, कांता देवी, मुन्नी देवी, भगवती देवी, विमला देवी और गिरीश देवी शामिल थीं।कार्यक्रम की मेजबानी दीपक शर्मा ने की। अंत में वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याओं का समाधान किया और उन्हें बेहतर भविष्य के लिए आधुनिक खेती अपनाने का संकल्प दिलाया।

गजरौला क्षेत्र में सड़क पर खड़े वाहन में दो बाइक सवारों ने मारी टक्कर,घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के गजरौला नगर कोतवाली क्षेत्र में दो बाइक सवार अज्ञात युवकों ने सड़क पर खड़े वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। जिसे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची 112 नंबर डायल पुलिस ने दोनों घायलों को गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव पप्सरा खादर के आसपास का बताया जा रहा है जहां पर दो बाइक सवार युवकों ने सड़क पर खड़े एक अज्ञात वाहन को पीछे से जोरदार टक्कर

मार दी। इस हादसे में दोनों बाइक सवार युवक बुरी तरह से घायल हो गए। हादसा होते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। भीड़ में शामिल लोगों ने हादसे की सूचना 112 नंबर डायल पर दी जिसने मौके पर पहुंचकर दोनों घायल युवकों को गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टर ने उन्हें प्राथमिक उपचार देने के बाद हालत गंभीर होते देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार दोनों युवकों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मण्डलायुक्त मुरादाबाद आन्जनेय कुमार की अध्यक्षता में गांव की समस्या, गांव में समाधान हेतु ग्राम चौपाल का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):– मण्डलायुक्त मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद आन्जनेय कुमार की अध्यक्षता में विशेष अतिथि जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में ग्राम चौधरपुर, विकास खण्ड-जोया, जनपद अमरोहा में सुशासन सप्ताह के अन्तर्गत प्रशासन चला गांव की ओर के उद्देश्य से गांव की समस्या, गांव में समाधान हेतु ग्राम चौपला का आयोजन किया गया। इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्राम वासियों की समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण करना है सरकार द्वारा जो योजनाएं संचालित है वह ग्रामवासियों की जो पात्र हैं उन्हें प्राप्त हो रही है अथवा नहीं। ग्राम चौपाल में मण्डलायुक्त मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद श्री आन्जनेय कुमार ने स्वास्थ्य, विद्युत, जल, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, तालाबों के सौंदर्य करण, स्वयं सहायता समूह के कार्य, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन, निराश्रित पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, साफ-सफाई आदि से संबंधित समस्याओं को सुना और उक्त योजनाओं का लाभ पात्र को प्राप्त हो रहा है अथवा नही विस्तृत जानकारी प्राप्त कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मंडल आयुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी अमरोहा को निर्देश दिए कि जल निगम की जो समस्याएं आ रही हैं उनकी समीक्षा कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें इसी प्रकार उन्होंने गांव में शमशान घाट की समस्या की शिकायत आने पर मुख्य विकास अधिकारी को स्थिति का जायजा लेकर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए उन्होंने उपस्थित सभी अभिभावकों को से आग्रह किया कृपया वे अपने बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने ग्राम वासियों से अपील की की जनपद अमरोहा में महिला और पुरुष का अनुपात में बहुत अंतर है इसलिए कोई भी घर में पल रहे बच्चे की जांच नहीं कराई यदि ऐसा कोई करता पाया जाता है तो वह उसकी सूचना दें। ग्राम चौपाल में मण्डलायुक्त मुरादाबाद मण्डल मुरादाबाद आन्जनेय कुमार द्वारा बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को डेमो चाबी देकर उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर विधवा पेंशन कन्या सुमंगला योजना विश्वकर्म योजना के अंतर्गत टूल किट, मंगल युवा दल के महिला पुरुष को खेल किट का वितरण किया गया। ग्राम चौपाल में मंडल आयुक्त ने ग्रामवासियों से राशन वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि राशन डीलर द्वारा आपको पूर्ण राशन दिया जा रहा है अथवा नहीं। कहा कि सभी विभागों की जो योजनाएं चल रही हैं उनका लाभ प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं उन्होंने ग्रामवासियों से पंचायत घर खुलने, पंचायत सहायक के बैठने व लेखपाल और सचिव के आने की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेषकर 70 वर्ष से ऊपर के व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाए जाने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। उन्होंने स्कूल में मिड-डे-मील में बच्चों को अच्छा खाना, फल, दूध आदि की जानकारी प्राप्त की क्योंकि बच्चों को जब दूध, फल आदि मिलेगा तो बच्चे का स्वास्थ्य ठीक होगा क्योंकि बच्चे ही देश का भविष्य हैं। साफ-सफाई के संदर्भ में उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की अपने आसपास साफ-सफाई करें क्योंकि यह हमारे व्यक्तिगत जिम्मेदारी के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन अरूण कुमार सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त गजेंद्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पीडीडीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी पारूल सिसौदिया, सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार मेंमण्डलायुक्त मुरादाबाद आन्जनेय कुमार की अध्यक्षता में कि गई राजस्व विभाग सहित अन्य कार्यों की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):– मण्डलायुक्त मुरादाबाद आन्जनेय कुमार अध्यक्षता में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की उपस्थिति में अमरोहा कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सभी उप जिलाधिकारियों की उपस्थिति में राजस्व विभाग सहित अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त नए सर्वप्रथम एस0आई0 आर0 के संबंध में सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि फॉर्म-06 के जितने भी फॉर्म निरस्त किए गए हैं उनकी डिटेल अवश्य रखें एक-एक फॉर्म को स्वीकार किया जा रहा है उसको सर्वप्रथम परीक्षण अवश्य कर लें और जो फॉर्म अस्वीकार किये जा रहे उन्हें अवश्य चेक कर ले। उन्होंने कहा कि फॉर्म को एक्सेप्ट और रिजेक्ट करने का एक वैलिड रीजन होना चाहिए और वह सुचिता पूर्ण हो व नियमानुसार कार्य करें। मंडल आयुक्त ने जनपद की नदियों के सर्वे के लिए एक समिति गठित करने के निर्देश दिए जिसमें अच्छा कार्य करने वाले

लेखपाल और रिटायर्ड लेखपाल की टीम बनाई जाए। मंडल आयुक्त ने जनपद अमरोहा में पुरुष की अपेक्षा महिला अनुपात कम होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पर कार्य करें और जो भी अल्ट्रासाउंड सेंटर लड़की या लड़का होने का परीक्षण गर्भ में करते हैं उनके खिलाफ कार्यवाही करें। उन्होंने कहा की धारा-24 के कोई भी केस लंबित न हो। धारा-80, धारा-67, धारा-122, धारा-122बी आदि के विभिन्न मुकदमे लंबित हैं इसलिए इन्हें समय के साथ निस्तारित करें। यदि किसी मुकदमे में मिलजुमला नम्बर है या सहखातेदार का नाम है तो उसे भी नोटिस अवश्य भेजा जाए। उन्होंने कहा धाराओं से संबंधित विभिन्न मुकदमे लंबित हैं उन्हें समय रहते निस्तारित करें। उन्होंने मत्स्य पालन के पट्टो की समीक्षा करते हुए जानकारी प्राप्त की कि कितनी धनराशि आयी है और कितनी धनराशि संबंधित को प्रेषित की गई है। उन्होंने आय प्रमाण पत्र के संबंध में समीक्षा की जिसमें तहसील हसनपुर में सबसे अधिक देरी में आय प्रमाण पत्र जारी किए गए फिर उसके बाद धनोरा और अमरोहा में इसके लिए उन्हें समय से आय प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बंधक समीक्षा, कोर्ट केस में नामांतरण वाद आदि की समीक्षा की। मंडलायुक्त ने विभागीय कार्यवाही से संबंधित जानकारी प्राप्त की और संबंधित उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि साल भर से ज्यादा हो गए हैं उनका निस्तारण करें अन्यथा तहसीलदार और उप जिलाधिकारी को कमिश्नर कोर्ट में तलब किया जाएगा। कोर्ट में कितने फाइल पेंडिंग में सभी को अवश्य देखा जाए। उन्होंने कहा कि जितने भी पुराने मामले हैं उनकी एक लिस्ट बनाएं और उनके अनुसार निस्तारण करें। उन्होंने सभी उप जिलाधिकारी को निर्देश दिए कि अपने अधिकारों का सही प्रयोग करें। मंडलाायुक्त महोदय ने निर्देशित करते हुए कहा कि न्यायालय द्वारा लिए जाने वाले फैसले में विशेष ध्यान दिया जाए जाए। इस अवसर पर अपर आयुक्त प्रशासन अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप, उप जिलाधिकारी हसनपुर, उप जिलाधिकारी नौगावां सादात, उप जिलाधिकारी धनौरा, उप जिलाधिकारी अमरोहा एवं समस्त उप जिलाधिकारी (न्यायिक) सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कृषक जनसेवा केन्द्र के माध्यम से कृषि यन्त्रों की बुकिंग करे ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):– जनपद में समस्त किसान भाईयो को सूचित किया जाता है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित http://agridarshan.up.gov.inपर वर्ष 2025-26 में सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन, त्वरित मक्का कार्यक्रम एंव मैकेनाईजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ क्राप रेज्ड्यू योजना के अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैक की स्थापना, पॉपिंग मशीन, मेज सेलर, फसल अवशेष के प्रमुख कृषि यन्त्र एंव अन्य समस्त प्रकार के कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा

उपकरण इत्यादि की बुकिंग हेतु अवशेष लक्ष्यों के सापेक्ष बुकिंग 25 फरवरी 2026 से 04 मार्च 2026 तक कृषि यंत्रों की बुकिंग हेतु विभागीय पोर्टल http://agridarshan.up.gov.in पर किसान कार्नर के अन्तर्गत यंत्र बुंकिग प्रारम्भ पर क्लिक कर आनलाईन आवेदन कर सकते है।

किसान भाई अपने लैपटॉप, डैस्कटॉप अथवा किसी भी जनसेवा केन्द्र के माध्यम से कृषि यन्त्रों की बुकिंग कर सकते है। किसान भाईयों को यह भी सूचित किया जाता है कि कृषि यंत्र की बुकिंग के दौरान उपयोग होने वाला मोबाईल नं0 स्वंय का अथवा खून के रिस्ते के व्यक्ति का ही उपयोग कर बुकिंग करें अन्यथा आपका अभ्यर्थन निरस्त हो जायेगा।

डीआईजी ने आगामी त्योहारों रमजान एवं होली के मद्देनजर मीडिया प्रतिनिधियों के साथ की प्रेस वार्ता

अमरोहा (सब का सपना):– जनपद में डीआईजी मुनिराज एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान पुलिस कार्यालय सभागार में आगामी त्योहारों रमजान एवं होली के मद्देनजर मीडिया प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता आयोजित की। प्रेस वार्ता में अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं की जा रही हैं। संवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जाएगी, जबकि

भ्रमणशील पुलिस टीमों एवं पीआरवी वाहनों द्वारा निरंतर गश्त बढ़ाई जाएगी।अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी की बात कही। किसी भी भ्रामक, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाली पोस्ट पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील की गई कि अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास न करें और ऐसी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें।उन्होंने जनता से अनुरोध किया कि त्योहारों को परंपरागत सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं, कोई नई परंपरा न शुरू करें। धार्मिक जुलूस एवं कार्यक्रम पूर्व निर्धारित मार्ग व समय पर ही हों। ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासन के निर्धारित मानकों के अनुसार ही किया जाए।

डीआईजी मुनिराज एवं एसपी अमित कुमार आनंद ने अमरोहा की गंगा-जमुनी तहजीब को बनाए रखते हुए आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक मिलजुलकर त्योहारों को हर्षोल्लास एवं शांति के साथ मनाएं। मीडिया से भी सकारात्मक एवं सत्यापित समाचार प्रसारित कर जनजागरूकता फैलाने का सहयोग मांगा गया।

गाली गलौज का विरोध करने पर राशन लेने पहुंचे युवक व ग्राम प्रधान पर हमला

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):– जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के ग्राम अहरौला माफी में राशन लेने गए एक युवक और बीच-बचाव करने आए ग्राम प्रधान के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। दबंगों ने लाठी-डंडों और बेल्टों से हमला कर दोनों को घायल कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि दर्ज एफआईआर के अनुसार, अहरौला माफी निवासी सुमित कुमार अपने भतीजे कार्तिक के साथ गुरुवार शाम करीब 5:30 बजे राशन डीलर राजो देवी के घर राशन लेने गए थे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद लोगों ने सुमित के साथ बिना किसी कारण गाली-गलौज शुरू कर दी।शोर सुनकर ग्राम प्रधान नवीन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने गाली-गलौज का विरोध किया और समझाने का प्रयास किया। इस पर आरोपी उग्र हो गए और उन्होंने सुमित तथा ग्राम प्रधान पर लाठी-डंडों, बेल्टों और लात-

घूसों से हमला कर दिया।इस हमले में सुमित और प्रधान नवीन कुमार को गंभीर चोटें आईं। चीख-पुकार सुनकर गांव के ही वरुण सिंह, मनोज कुमार, जयवीर शर्मा और नितिन कुमार सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों को आता देख आरोपी सुमित और प्रधान को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले।पीड़ित पक्ष ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए रिपोर्ट दर्ज कर ली है। उपनिरीक्षक मोईन खान को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

गन्ना किसानों को नैनो उर्वरकों के प्रति किया जागरूक, हाकमपुर में लगी किसान गोष्ठी

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):– वसंतकालीन गन्ना बुवाई में वैज्ञानिक पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को गंगेश्वरी ब्लॉक के हाकमपुर गाँव में इफको अमरोहा द्वारा किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन गन्ना समिति हसनपुर-चंदनपुर के सहयोग से हुआ, जिसमें क्षेत्र के 60 से अधिक गन्ना किसानों ने भाग लिया। इफको प्रतिनिधि अवधेश गोस्वामी ने किसानों को नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, सागरिका (दानेदार व तरल), नैनो जिंक, नैनो कॉपर और एनपीके कंसोर्टिया के लाभ बताए। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग की सलाह देते हुए कहा कि गन्ने के सेट्स को 10 मिली/लीटर नैनो डीएपी से उपचारित कर बोएँ और 50-60 दिन बाद 4 मिली/लीटर नैनो डीएपी के साथ नैनो यूरिया का छिड़काव

करें। इससे फसल की बढ़वार अच्छी होगी और उत्पादन बढ़ेगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सागरिका पूरी तरह ऑर्गेनिक है, इसे जैविक खेती में भी अपनाया जा सकता है। किसानों को बाजार में मिलने वाले नकली उत्पादों से बचने और इफको के सागरिका को सही विधि से उपयोग करने की सलाह दी गई। हरिमोहन त्रिपाठी ने मिट्टी की जाँच के बाद ही उर्वरक उपयोग करने का परामर्श दिया, जिससे भूमि की उर्वरता का संतुलन बना रहे। उन्होंने इफको उत्पादों पर मिलने वाली छूट की जानकारी दी और किसानों से गन्ना समिति से जुड़ने का आह्वान किया ताकि खाद-बीज व अन्य सुविधाएँ नियमित रूप से मिलती रहें। इफको एमसी से कपिल गंगवार ने बुवाई के समय लाल सड़न रोग से बचाव के लिए मोयाशी से बीजोपचार तथा कीट प्रबंधन में शीरासागी के उपयोग और मात्रा की जानकारी दी। चीनी मिल चंदनपुर के शर्मा जी ने भी किसानों से रासायनिक उर्वरकों को घटाकर जैविक खेती और नैनो उत्पादों की ओर बढ़ने का आग्रह किया, जिससे लागत कम हो और आय बढ़े। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीक और सरकारी योजनाओं से जोड़कर टिकाऊ खेती की ओर प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में मौजूद किसानों ने नैनो उर्वरकों की व्यावहारिक जानकारी पर उत्साहपूर्वक चर्चा की। गोष्ठी की अध्यक्षता ज्येष्ठ गन्ना अधिकारी हरिमोहन त्रिपाठी (धनौरा) ने की। उनके साथ गन्ना पर्यवेक्षक रामगोविंद सिंह, इफको एमसी के एसएमओ कपिल गंगवार, इफको प्रतिनिधि अवधेश गोस्वामी व मोहित कुमार, चीनी मिल चंदनपुर से शर्मा जी व शुक्ला जी, तथा पवन चौधरी और अमित सिंह भी मौजूद रहे।

बीमा कंपनी पर सख्ती आदेश की अवहेलना पर मुख्य प्रबंधक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

उपभोक्ता आयोग ने इलाज खर्च व ब्याज समेत पूरी धनराशि अदा करने के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- चंदौसी निवासी सुशांत अमन ने अपने व परिवार की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी से बीमा पॉलिसी ली थी। एक दिन घर से बाजार जाते समय सड़क के गड्ढे में पैर गिरने से उनके बाएं पैर में गंभीर चोट आ गई। शुरूआत में उन्होंने होम्योपैथी दवाओं से उपचार कराया, लेकिन सुधार न होने पर बरेली के एक अस्पताल में इलाज कराना पड़ा। इस उपचार पर कुल 1,34,294 का खर्च आया। इलाज के बाद जब बीमा कंपनी से क्लेम की मांग की गई तो कंपनी ने इसे पुरानी बीमारी बताकर भुगतान से इंकार कर दिया। इसके बाद सुशांत अमन ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से

संपर्क किया। अधिवक्ता ने मामला जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में दायर किया। आयोग ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद 8 अगस्त 2025 को निर्णय सुशांत अमन के पक्ष में सुनाया और बीमा कंपनी को इलाज पर खर्च राशि, ब्याज तथा वाद व्यय के रूप में अतिरिक्त 15,000 अदा करने के आदेश दिए। हालांकि, बीमा कंपनी ने निर्धारित समय में आदेश का पूर्ण अनुपालन नहीं किया।

इस पर अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने आयोग को अवगत कराया कि आदेश का पालन नहीं हुआ है। आयोग द्वारा तलब किए जाने पर कंपनी ने 1,59,366 के स्थान पर केवल 1,56,318 का ही भुगतान किया। अधिवक्ता ने आयोग में आपत्ति दर्ज कर बताया कि कंपनी ने 3,048 कम अदा किए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए आयोग ने बीमा कंपनी के मुख्य प्रबंधक के विरुद्ध गैर-जमानती वारंट जारी कर दिए। अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने कहा कि पूर्ण न्याय तभी संभव है जब न्यायालय के आदेश का संपूर्ण पालन हो। आदेश की अवहेलना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

रमजान के दूसरे जुमे पर मस्जिदों में उमड़ी अकीदतमंदों की भीड़

रोजेदारों ने मुल्क की सलामती, अमन-चैन और रहमत-बरकत के लिए उठाए हाथ

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- शहर व आसपास के इलाकों में रमजान-उल-मुबारक के दूसरे जुमे की नमाज अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। सुबह से ही रोजेदारों का मस्जिदों की ओर रुख शुरू हो गया था। नमाज से पहले मस्जिदों में कुरआन-ए-पाक की तिलावत और ज़िक्र-ओ-अजकार का सिलसिला चलता रहा। जुमे की नमाज के दौरान मस्जिदों के अंदर और बाहर नमाज़ियों की लंबी कतारें नजर आईं। इमामों ने खुत्बे में रमजान की फजीलत बयान करते हुए कहा कि यह महीना सब्र, परहेजगारी और इंसानियत का पैगाम देता है। उन्होंने लोगों से गरीबों, यतीमों और

जरूरतमंदों की मदद करने की अपील की।

नमाज के बाद रोजेदारों ने देश में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए दुआएं मांगीं। कई जगहों पर बच्चों और युवाओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। उलेमा ने सदका-ए-फित्र की अहमियत पर रोशनी डालते हुए बताया कि हर साहिबे-निसाब मुसलमान पर अपनी और अपने नाबालिग बच्चों की ओर से सदका-ए-फित्र अदा करना वाजिब है, ताकि जरूरतमंद भी ईद की खुशियों में शामिल हो सकें। रमजान के दूसरे जुमे पर उमड़ी भीड़ ने यह संदेश दिया कि लोगों में दीन के प्रति आस्था और एकता की भावना मजबूत है।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत चार वर्षीय मासूम सकुशल बरामद

गुन्नौर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर पिता को सौंपा बच्चा, परिवार में लौटी खुशियां

गुन्नौर/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुन्नौर पुलिस ने सराहनीय कार्य करते हुए चार वर्षीय मासूम को सकुशल बरामद कर उसके पिता को सौंप दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी गुन्नौर आलोक सिद्धू के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार व गठित टीम–म0उ0नि0 गुरजिन्दर कौर, उ0नि0 रोहित कुमार, म0का0 राधारानी व म0का0 प्रियंका–ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अबोध बालक शिमोन पुत्र महावीर निवासी ग्राम आटा मऊ, थाना संडीला, जनपद हरदोई को सुरक्षित बरामद किया। गुरुवार को रोडवेज बस बरेली डिपो के चालक रामकिशन गुप्ता (निवासी असरासी, थाना कादरचौक, जनपद बदायूं) को करीब चार वर्षीय बच्चा अकेला

मिला। बच्चे द्वारा अपना नाम-पता न बता पाने पर रात्रि अधिकारी दीपक कुमार ने मोबाइल गश्त के दौरान उसे सुरक्षा की दृष्टि से थाने लाया। बालक को बाल कक्ष में महिला कांस्टेबल प्रियंका की निगरानी में रखा गया। बच्चे की पहचान के लिए पुलिस ने उसकी फोटो सोशल मीडिया–व्हाट्सएप, फेसबुक आदि–पर प्रसारित की। उ0नि0 रोहित कुमार के स्टेटस को देखकर थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर से उ0नि0 कपिल कुमार ने संपर्क कर बताया कि इस बच्चे के संबंध में वहां अपहरण का मुकदमा दर्ज है। जानकारी मिलते ही उ0नि0 कपिल कुमार बच्चे के पिता महावीर पुत्र छोटेलाल के साथ थाना गुन्नौर पहुंचे। पहचान की तस्दीक के बाद बच्चे को सकुशल पिता के सुपुर्द कर दिया गया। महावीर ने बताया कि वह अपने परिवार के साथ ग्राम आटामऊ, थाना संडीला, जनपद हरदोई से दिल्ली जा रहे थे। दादरी स्थित एक ढाबे पर बस रुकने पर वह पानी लेने उतरे, तभी बच्चा पीछे-पीछे उतर गया और गलती से दूसरी बस में बैठ गया। काफी तलाश के बाद जब बच्चा नहीं मिला तो थाना दादरी में अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई। बाद में सूचना मिली कि गुन्नौर पुलिस ने बच्चे को बरामद कर लिया है। पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से मासूम सकुशल परिवार से मिल सका। परिजनों ने गुन्नौर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) / उप संचालक चकबन्दी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- चकबन्दी आयुक्त उ०प्र० तथा जिलाधिकारी के निर्देश के कम में आज ग्राम रहरा तहसील हसनपुर में धीरेन्द्र प्रताप, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) / उप संचालक चकबन्दी की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का सार्वजनिक स्थल शिव मन्दिर में आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में शैलेश कुमार शाही. बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, पंकज उप्रेती चकबन्दी अधिकारी

तथा राज कुमार सहायक चकबन्दी अधिकारी के साथ 2 तहसील तथा चकबन्दी स्टाफ, ग्राम प्रधान तथा चकबन्दी समिति के सदस्य तथा काफी कृषक उपस्थित थे। ग्राम प्रधान द्वारा अवशेष पैमाईश कराने की मॉग की गई।

जिसके सम्बन्ध में स्टाफ को निर्देश दिये गये कि अभियान चलाकर समस्त पैमाईश पूर्ण करना सुनिश्चित करे। कुछ कृषको द्वारा चकरोड अवरूद्ध होने की शिकायत की गई, जिसके सम्बन्ध में स्टाफ को निर्देशित किया गया कि तत्काल सार्वजनिक मदो की भूमि को खाली कराया जाये।

महिलाओं एवं बलिकाओं को पम्पलेट वितरित कर कराया गया अवगत

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं, बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में

चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

ग्रेटर नोएडा में होली पर बढ़ी खोया की मांग, जांच में पनीर-दूध-तेल के नमूनों में उलझा विभाग

ग्रेटर नोएडा। होली के त्योहार के नजदीक आते ही गुजिया बनाने के लिए खोया की मांग कई गुना बढ़ गई है। ग्रेटर नोएडा समेत दिल्ली एनसीआर के शहरों में बुलंदशहर और अलीगढ़ जैसे आसपास के जिलों से खोया, दूध, पनीर आदि की आपूर्ति दी जा रही है। इसे देखते हुए जिला खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीमें भी सक्रिय हो गई हैं, लेकिन जिस तरह से खोया की मांग बढ़ी है, खाद्य विभाग के अधिकारियों को इसकी गुणवत्ता में कमी नहीं मिल रही है, हालांकि पिछले पांच दिनों में पांच छह स्थानों से खोया के नमूने जांच के लिए जरूर संग्रहित किए हैं।

500 किलो मिलावटी खाद्य पदार्थ नष्ट

वहीं विभाग की सक्रिय टीम दूध से बनी मिठाईयां, खाद्य तेज, रिफाइंड

और पनीर जैसे उत्पादों पर गहनता से नजरें बनाए हुए हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग का दावा है कि पिछले पांच दिनों में 500 किलो मिलावटी खाद्य पदार्थ को नष्ट कराया जा चुका है, लेकिन इसमें खोया शामिल नहीं हैं। अब करीब 50 से अधिक खाद्य पदार्थो के नमूने संग्रहित किए गए हैं जिनमें से 14 हजार किलो खाद्य पदार्थों को सील कर दिया गया है। जांच परिणाम आने के बाद इनके खिलाफ कार्रवाई तय की जाएगी। सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि होली से पहले मिलावट रोकने के लिए टीम छापा मारकर सैंपलिंग अभियान चल रही है। ग्रेटर नोएडा के विभिन्न इलाकों जैसे तिलपता गांव में चौधरी पनीर भंडार से लगभग 200 किलोग्राम मिलावटी और दूषित पनीर जब्त किया गया।

जांच के लिए भेजे सैंपल

प्राथमिक जांच में पनीर में मिलावट पाई गई, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पनीर का एक नमूना लैब जांच के लिए भेजा गया है। इसी तरह, मिठाई दुकानों और रेस्टोरेंट्स से खोया, पनीर और अन्य डेयरी उत्पादों के नमूने एकत्र कर जांच कराई जा रही है। जहां भी दूषित पाया गया, उसे नष्ट किया जा रहा है। विभाग ने खाद्य तेलों पर भी कड़ी नजर रखी है। रिफाइंड तेल, सरसों तेल आदि के सैंपल लिए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। यमुना एक्सप्रेसवे और अन्य मार्गों पर वाहनों की जांच की जा रही है ताकि मिलावटी सामग्री की सप्लाई रोकी जा सके।

छात्राओं के लिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत शुक्रवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सम्भल व पूर्व प्राथमिक विद्यालय पतरौआ की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, साथ जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर मुकाबला भी कर सकें, ताइक्वांडो प्रशिक्षक सुरेश कुमार व महिला खिलाड़ी ब्लैक बैल्ट होल्डर रेखा ने सभी बालिकाओं को वन हैंड

सेल्फ डिफेंस, टू हैंड सेल्फ डिफेंस, एल्बो अटैक, फिंगर अटैक का अभ्यास कराया। ग्रामीण अंचल की बालिकाएं पूरी लगन से मार्शल आर्ट सीख रही हैं। सतह ही विद्यालय के शिक्षकों को भी अभ्यास कराया जा रहा है ताकि कैंप के बाद भी बालिकाओं को निरंतर अभ्यास कराया जा सके। ताइक्वांडो कोच रेखा ने बताया कि हर बालिका हो कम उम्र से ही मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग लेनी चाहिए।ग्रामवासियों ने भी सरकार की इस योजना की तारीफ की कहा कि अब हमारे गांव की बालिकाएं भी अपनी सुरक्षा करने में सक्षम हो गई हैं।

छात्राओ को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजना यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, गुड़ टच एवं बैड टच, बाल विवाह के दुष्परिणाम, बसल श्रम के दुष्प्रभावों आदि के बारे में बताया गया। इस अवसर पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और अन्य ब्यक्ति उपस्थित रहे।

नोएडा में होली पर कपल्स थीम का क्रेजः मैचिंग टी-शर्ट से ड्यूल पिचकारी तक, बाजार में ट्रेंडी लुक की धूम

नोएडा। होली अब सिर्फ रंगों का त्योहार नहीं रह गया है, बल्कि यह रिश्तों को खास अंदाज में सेलिब्रेट करने का अवसर भी बनता जा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस बार बाजार में कपल्स थीम का ट्रेंड तेजी से उभरा है। युवा जोड़े होली पर एक जैसी ड्रेस, एक्सेसरीज और पिचकारी खरीदकर अपने रिश्ते को अलग अंदाज में पेश कर रहे हैं। ऐसे में बाजार में सेक्टर 18 और 27 स्थित अट्टा मार्केट में तमाम तरह के कपल्स स्पेशल आइटम आए हैं। 399 से 999 तक कीमत बाजार में किंग और क्वीन , मिस्टर- मिसेज, मेड फार ईच अदर, ही और शी, फारएवर टुगेदर, पार्टनर इन क्राइम जैसे स्लोगन वाली कपल्स टी-शर्ट 399 रुपये से 999 रुपये तक मिल रही हैं। वहीं नाम और फोटो प्रिंट करवाने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसकी रेंज 799 से 1499 रुपये तक है। इसके अलावा मैचिंग कुर्ता-पायजामा और कुर्ती-सेट 1499 से 2999 रुपये में बिक रहे हैं।

कपल्स के लिए खास डिजाइन की ड्यूल पिचकारी, जो एक जैसी कलर थीम में आती हैं, 299 से 699 रुपये तक उपलब्ध हैं। साथ ही मैचिंग गागल्स, कैप, बैंडाना, फेस टैटू और कपल्स स्पेशल गुलाल गिफ्ट पैक भी 199 से 599 रुपये की रेंज में मिल रहे हैं। थीम बेस्ड होली चाहते हैं कपल्स सेक्टर-18 के दुकानदार विकास अग्रवाल का कहना है, पहले लोग सिर्फ रंग और पिचकारी खरीदते थे, लेकिन अब कपल्स अपनी होली को थीम बेस्ड बनाना चाहते हैं। खासकर वेलेंटाइन के बाद से यह ट्रेंड और मजबूत हुआ है। वहीं अट्टा मार्केट के व्यापारी सुमित शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया पर कपल्स रील्स और फोटोशूट का असर साफ दिख रहा है। युवा जोड़े चाहते हैं कि उनकी तस्वीरें यूनिक और ट्रेंडी दिखें, इसलिए मैचिंग आउटफिट्स और एक्सेसरीज की मांग बढ़ी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश की अनदेखी पर बीएसए देवरिया शालिनी श्रीवास्तव निलंबित

एजेंसी

लखनऊ। सहायक अध्यापक कृष्ण मोहन सिंह के आत्महत्या के प्रकरण में शासन ने देवरिया की जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उनके खिलाफ विभागीय अनुशासनिक कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। शासन ने उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली के तहत उन्हें निलंबित किया है और विभागीय जांच शुरू कर दी है। जांच के लिए संयुक्त शिक्षा निदेशक, गोरखपुर मंडल को पदेन जांच अधिकारी नामित किया गया है। निलंबन के दौरान बीएसए को मूल नियम-53 के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा, जो आधा वेतन अवकाश वेतन के बराबर होगा। यह आदेश अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से जारी करने के साथ शालिनी श्रीवास्तव को शिक्षा निदेशक बेसिक लखनऊ कार्यालय से संबद्ध कर दिया है।शासन ने यह कार्रवाई जिलाधिकारी देवरिया की 23 फरवरी की रिपोर्ट के आधार पर की है। उधर किसी भी कार्रवाई से बचने के लिए शालिनी श्रीवास्तव ने हाई कोर्ट में एक याचिका भी दाखिल की है, जिसमें अभी सुनवाई होनी है। जिलाधिकारी देवरिया की रिपोर्ट में 22 फरवरी को दैनिक जागरण में प्रकाशित खबर ' दो किस्तों में दिए रुपये, फिर भी नहीं मिला छुटकारा ' से जुड़े मामले की जांच का हवाला दिया गया था। जांच में पाया गया कि उच्च न्यायालय की रिट याचिका में 13 फरवरी को दिए गए आदेश का पालन बीएसए कार्यालय ने करीब एक वर्ष तक नहीं किया। जांच में यह भी सामने आया कि बीएसए को इस मामले में स्पीकिंग आर्डर पारित करना था या न्यायालय के आदेश का अनुपालन करना था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसे शासकीय कार्यों के प्रति उदासीनता, स्वेच्छाचारिता और लापरवाही मानते हुए उन्हें प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया। शिक्षक कृष्ण मोहन सिंह आत्महत्या प्रकरण में नामजद बीएसए शालिनी श्रीवास्तव ने गोरखपुर पुलिस व शासन की कार्रवाई से बचने के लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट की शरण ली है। मंगलवार को उन्होंने याचिका दाखिल की, हालांकि अभी तक सुनवाई की तिथि नियत नहीं हुई है। कृषक लघु माध्यमिक विद्यालय मदरसन, गौरी बाजार (देवरिया) में तैनात रहे सहायक अध्यापक कृष्ण मोहन सिंह ने 20 फरवरी की रात गोरखपुर के अपने आवास में आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में उनकी पत्नी गुड़िया सिंह की तहरीर पर गुलरिहा थाने में बीएसए शालिनी

श्रीवास्तव, बाबू संजीव सिंह व अन्य सहयोगियों के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने और धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया गया है। सुसाइड नोट में बीएसए व संबंधित बाबू पर 16 लाख रुपये लेने और उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए। इस मामले में डीएम व शासन स्तर से गठित समिति की जांच में हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी एक वर्ष में निर्णय नहीं लेने की पुष्टि हुई है। डीएम ने निलंबन की कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति रिपोर्ट दो दिन पहले भेजी थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने बीएसए का सीयूजी व निजी मोबाइल फोन कब्जे में लेकर फारेंसिक जांच के लिए भेजा है। इसी बीच बीएसए ने अपने बचाव में हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर शासन, एसएसपी गोरखपुर, थानाध्यक्ष गुलरिहा व वादिनी गुड़िया सिंह को पक्षकार बनाया है।

सड़क दुघर्टना में अधेड़ की मौत, तीन घायल

परीक्षा देने जा रही छात्रा सानिया की हालत नाजुक

अफजलगढ़/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव उधोवाला मार्ग पर शुक्रवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण भिड़ंत में एक 50 वर्षीय अधेड़ बुजुर्ग की इलाज के दौरान ले जाते समय मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में परीक्षा देने जा रही एक छात्रा भी शामिल है, जिसे नाजुक हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार धामपुर थाना क्षेत्र के गांव सुहागपुर निवासी जितेंद्र सिंह (50) पुत्र दीनदयाल सिंह थाना क्षेत्र के गांव कासमपुरगढ़ी से अपनी साली अर्चना को अपनी बाइक पर बिठाकर अफजलगढ़ की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कस्बा अफजलगढ़ के मोहल्ला किला निवासी मोहम्मद आलम पुत्र सरवर हुसैन अपनी चचेरी बहन सानिया पुत्री रफीक अहमद को परीक्षा दिलाने के लिए राजबाला इंटर कॉलेज सीरवासुचंद ले जा रहा था। जैसे ही दोनों बाइक सवार गांव उधोवाला के समीप पहुंचे तो दोनों बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि चारों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया गया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र सिंह को उपचार के लिए ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अन्य तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार छात्रा सानिया व अर्चना की हालत चिंताजनक बनी हुई है। सूचना पर पहुंचे अफजलगढ़ थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी व चौकी इंचार्ज मनवीर सिंह ने ग्रामीणों से सड़क दुघर्टना की जानकारी ली। पुलिस ने मृतक बुजुर्ग जितेंद्र सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भेज दिया है। सड़क हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। उधर थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी ने बताया कि मृतक बुजुर्ग जितेंद्र सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों के दो गुटों में मारपीट

शेरकोट /बिजनौर (सब का सपना):- शुक्रवार को इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग की परीक्षा समाप्त होने के बाद एक परीक्षा केंद्र के बाहर छात्रों के दो गुटों के बीच हुआ विवाद मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे और बेल्ट चले। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शाम की पाली में इंटर विज्ञान (भौतिक विज्ञान) का अंतिम प्रश्नपत्र था। परीक्षा समाप्त होने के बाद जब छात्र केंद्र से बाहर निकल रहे थे, तभी किसी बात को लेकर दो गुटों में कहासुनी शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और छात्रों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति बिगड़ती देख परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों ने तत्काल हस्तक्षेप किया और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों गुटों को अलग किया। बताया जा रहा है कि बाइक सवार दर्जनों छात्र दूसरे गुट से भिड़ने के इरादे से खो नदी पुल के आगे हाईवे पर

भी एकत्र हो गए थे, लेकिन पुलिस के पहुंचने की सूचना मिलते ही वहां से फरार हो गए। इस संबंध में थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि छात्रों के बीच मामूली कहासुनी हुई थी, जिसे समय रहते शांत करा दिया गया।

खेत में गाड़ी निकालने को लेकर मारपीट, युवक बेहोश

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम शहजादपुर में खेत में गन्ना बोने के दौरान गाड़ी निकालने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट की गई, जिससे वह बेहोश हो गया। ग्राम शहजादपुर निवासी सलोनी रानी पत्नी हिदेश कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 फरवरी को दोपहर करीब एक बजे उनके जेठ उदयवीर सिंह अपने खेत में गन्ना बो रहे थे। इसी दौरान गांव निवासी हरीओम के पुत्र रिंकू ने उनके खेत में गन्ना बोए गए हिस्से से गाड़ी निकाल दी। मना करने पर आरोपी ने उदयवीर सिंह के साथ मारपीट कर दी। परिजनों का आरोप है कि मारपीट में उदयवीर सिंह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गए। उन्हें उपचार के लिए स्थानीय चिकित्सक के पास ले जाया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एकादशी के रंग-जुलूस में हुरियारों ने जमकर सूखे रंग से सभी को रंगा

अफजलगढ़ /बिजनौर (सब का सपना):- नगर में पूर्व की भांति इस वर्ष भी नगर में होली पर्व के पूर्व एकादशी का रंग जुलूस ढोल नगाड़े के साथ होली का हुड़दंग शुरू हो गया। इस दौरान रंग-जुलूस में हुरियारों ने जमकर सूखे रंग से सभी को रंग दिया। जुलूस का शुभारंभ मौहल्ला चिरंजीलाल से प्रारंभ हुआ, जिसमें हुरियारे सूखा रंग भरकर निकले। होली के गानों और ढोल की थाप ने पूरे नगर के माहौल में रंग भर दिया। इस मौके पर हुरियारे हवन यज्ञ में आहुति भी देते हुए चल रहे थे। इसके अलावा चेयरपर्सन पति जावेद विकार ने हिंदू भाइयों को होली की शुभकामनाएं दी। अफजलगढ़ के ऐतिहासिक रंगोत्सव का बुधवार को एकादशी से प्रारंभ हो गया। जुलूस का शुभारंभ मौहल्ला चिरंजीलाल स्थित जोशियान चौराहा से हुआ। जो होली चौक,मेन बाजार,ढाली बाजार, पीएनबी रोड, बड़ा शिव मंदिर से होता हुआ मौहल्ला गौहर अली खां होता हुआ वापस चिरंजीलाल पहुंचकर सम्पन्न हुआ। इससे पूर्व जुलूस का शुभारंभ नारियल फोड़कर तथा रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया। बच्चों व युवाओं ने जमकर होली खेली,हुरियारो ने एक दूसरे को गुलाल लगाते हुए जमकर रंग गुलाल उड़ाया तथा डीजे के साथ जमकर ठुमके लगाए। इसके अलावा चेयरपर्सन पति जावेद विकार ने सभी हिन्दू भाइयों को होली की शुभकामनाएं दी। इस मौके पर भाजपा नगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा,समाजसेवी अतुल अग्रवाल, हरिश्चंद्र कर्णवाल, सुनील रस्तोगी,सतीश कंबोज,संदीप महेश्वरी, अतुल कुमार जैन,होली समिति के अध्यक्ष नीरव रस्तोगी, निर्मल चिलवाल,होली समिति के अध्यक्ष पिंटू जोशी, पंडित ललित जोशी, मनोज सैनी,अजय कौशिक, समाजसेवी ठाकुर विजयेश सिंह,नितिन विश्नोई,मंयक लोहिया, गौरव गुप्ता,सुमित तेनगुरिया, लव अग्रवाल,रोबिन अग्रवाल, मुकेश कंबोज, सौरभ रूहेला,गगन रस्तोगी ,हर्ष रस्तोगी, अमित गुप्ता,सतीश काम्बोज, भीम सिंह रावत,सौरभ रूहेला तथा शरद कर्णवाल आदि सहित काफी संख्या में हुरियारे रहे। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से थानाध्यक्ष बिजेंद्र सिंह राठी, कस्बा इंचार्ज मनीष कुमार,सब इंस्पेक्टर शिवम तायल, महिला सब इंस्पेक्टर रीनू पंवार,कांस्टेबल विशाल मलिक, कांस्टेबल रजनीश कुमार फौजी तथा कांस्टेबल कलीम हसन सहित भारी संख्या में पुलिस बल उपस्थित रहा।

लखनऊ में राज्य स्तरीय बाल उत्सव में मुस्कराएगी बेटियों की प्रतिभा

-अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आठ मार्च को राजधानी लखनऊ में आयोजित होगा राज्य स्तरीय बाल उत्सव

लखनऊ (एजेंसी) । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आठ मार्च को राजधानी लखनऊ में आयोजित होने जा रहे राज्य स्तरीय बाल उत्सव में प्रदेश भर की बेटियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भव्य प्रदर्शन होगा। समग्र शिक्षा के अंतर्गत आयोजित इस महोत्सव में सभी जिलों से चयनित प्रतिभागी सात मार्च को लखनऊ पहुंचेंगे और अगले दिन सांस्कृतिक, रचनात्मक एवं बौद्धिक गतिविधियों के राज्य स्तरीय मंच पर अपनी प्रतिभा का दमखम दिखाएंगे। उल्लेखनीय है कि महिला दिवस पर आयोजित यह राज्य स्तरीय बाल उत्सव सशक्त बालिका-समृद्ध उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक प्रेरक पहल बनेगा और यह संदेश देगा कि मंच, मान और अवसर मिलने पर बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्टता का नया मानक स्थापित कर सकती हैं। इस संबंध में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह का कहना है कि महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय बाल उत्सव प्रदेश की बेटियों को उनकी प्रतिभा, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता के प्रदर्शन का सशक्त मंच देगा। हर बालिका को शिक्षा के साथ पहचान और अवसर दिलाना और उन्हें भविष्य की नेतृत्वकर्ता बनाना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। इस बाल उत्सव में बेटियों को अपनी अभिव्यक्ति, नवाचार और नेतृत्व कौशल प्रदर्शित करने का व्यापक अवसर मिलेगा। राज्य स्तर पर चयनित प्रतिभागियों को मंच, मार्गदर्शन और सम्मान प्रदान करते हुए यह आयोजन इस तथ्य को रेखांकित करेगा कि उत्तर प्रदेश की बेटियां अब हर क्षेत्र में नई पहचान गढ़ने की क्षमता रखती हैं। आयोजन के माध्यम से बालिकाओं के आत्मविश्वास और रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलेगा, साथ ही उन्हें स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम भावना के साथ सीखने का अवसर भी प्राप्त होगा। जनपद स्तर से राज्य स्तर तक की चयन प्रक्रिया से गुजरकर पहुंचने वाली प्रतिभाएं प्रदेश की विविध सांस्कृतिक धरोहर और शैक्षिक क्षमता की झलक भी प्रस्तुत करेंगी। इस संबंध में महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उत्तर प्रदेश मोनिका रानी का कहना है कि राज्य स्तरीय बाल उत्सव में जनपदों से चयनित बालिकाओं को रचनात्मक, सांस्कृतिक और बौद्धिक अभिव्यक्ति का व्यापक अवसर मिलेगा। यह आयोजन बालिका प्रतिभाओं को निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और उन्हें राज्य स्तर पर सम्मानित करने का अवसर है। उत्सव में क्या होगा-प्रदेश के सभी जनपदों से चयनित प्रतिभागियों की सहभागिता-सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, कला एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं-बौद्धिक एवं नवाचार आधारित -बालिका प्रतिभाओं पर विशेष फोकस-राज्य स्तरीय मंच पर सम्मान व प्रमाणन-07 मार्च को प्रतिभागियों का आगमन, 8 मार्च को मुख्य आयोजन।

नगर में हर्षोल्लास के साथ निकाला गया एकादशी का रंग जलूस

पूरे एत्मात के साथ अदा हुई जुम्मे की नमाज

किरतपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर मे एकादशी का रंग जलूस व रमजान के जम्मे की नमाज को लेकर प्रशासन असमंजस मे था ,जिसमे नगर की होली कमेटी ने प्रशासन का साथ देकर शांति पूर्वक रंग के जलूस को संपन्न कराया ओर प्रशासन ने राहत की सास ली। नगर में गत वर्षो की भर्ती इस वर्ष भी श्री आदर्श होली रंग कमेटी द्वारा शुक्रवार को एकादशी के मौके पर रंग जुलूस का आयोजन किया गया ।जो की नगर के मुख्य बाजार मे स्थित श्री नीलेश्वर महादेव मंदिर से दो पालियो मे निकाला गया। जिसमे पहली ओली मे सुखखा गुलाल रंग का जलूस मंदिर से प्रातः 10 बजे प्रारम्भ किया गया जो की अम्बेकर चौक पंहुचा वहां से जैन चौक ओर फिर महावीर चौक से होता हुआ मंदिर के आगे से रामलीला चौक पंहुचा वहां से मोहोल्ला झण्डा, बाल्मीकि बस्ती, मोहोल्ला सिंघड़ियाँ से होता हुआ होली वाले कुए पर पंहुचा वहां से गोरी कि मंडी से होता हुआ जैन चौक पर आकर वापिस मंदिर पर जाकर संपन्न हुआ। उसके पश्चात दूसरी पाली मे मंदिर से ही गिले रंग के जलूस का शुभ आरम्भ लगभग 12 बजे हुआ जो की ऐसे ही नगर के मुख्य मार्गो से होता हुआ वापिस मंदिर पर आकर संपन्न हुआ। माहे रमजान के शुक्रवार की नमाज को लेकर प्रशासन असमंजस मे था जिसको लेकर रंग के जलूस का क्षेत्र अधिकारी नजीबाबाद ने दौरा किया ।ओर सम्बंधित को दिशा निर्देश दिए ।रंग कमेटी ओर पुलिस की कड़ी निगरानी के बिच रंग के जलूस मे आनंद लेने आये हुलियारों ने रंग भी खूब खेला व शांति पूर्वक पूरे एत्मात के साथ जुम्मे की नमाज भी अदा हुई ।प्रशासन ने जलूस के रुट पर पड़ने वाली तीनो मज्जिद व एक मजार पर पहले ही सुरक्षा की दृष्टि से पन्नी द्वारा ढकवा दिया गया था साथ की जलूस के दौरान मजार व मजिदों पर पुलिस फॉर्स लगा दी गई थी। दोनों समुदाय के लोगो ने एक दूसरे के त्यौहार को ध्यान मे रखकर त्यौहार मनाया। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार, क्राइम स्पेक्टर पवन कुमार शर्मा व शहर इंचार्ज दीपक नागर थाना पुलिस बल के साथ जलूस की देख रेख कर रहे थे।

संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से युवक की मौत

बांदा, (एजेंसी) । उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में थाना कमासिन क्षेत्र के ग्राम मवई में एक 23 वर्षीय युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। मरने से पहले युवक ने अपने ससुर पर गोली मारने का आरोप लगाया है। जबकि ससुर का कहना है कि दामाद ने स्वयं को गोली मारकर उन्हें फंसाने की सफाई दी है। पुलिस पूरे प्रकरण की गहन जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, ग्राम मवई निवासी दशरथ राजपूत (23) गुरुवार दोपहर अपने घर के बाहर बैठा था। इसी दौरान उसकी बायीं जांघ में बेहद नजदीक से गोली लगी। घटना की सूचना पड़ोसियों ने खेत पर गए उसके पिता शिवचरण को दी। पिता तत्काल मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में बेटे दशरथ को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कमासिन ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बाद में मेडिकल कॉलेज, बांदा में देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनेश राजपूत ने बताया कि दोपहर करीब 3 बजे दशरथ को गोली लगने की अवस्था में लाया गया था। गोली बायीं जांघ में नजदीक से लगी प्रतीत हो रही थी। हालत गंभीर होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर किया गया था। मिली जानकारी के अनुसार, मृतक दशरथ की शादी पिछले वर्ष पड़ोसी गांव लौहाई में हुई थी। उसकी पत्नी सपना देवी 26 फरवरी की सुबह लगभग 9 बजे अपने मायके होली मनाने चली गई थी। घटना के समय घर में दशरथ अकेला था। थाना प्रभारी भास्कर मिश्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला पति-पत्नी के विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है। अभी तक कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। इस सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी बबेरू सौरभ सिंह ने शुक्रवार को बताया कि थाना कमासिन क्षेत्रांतर्गत ग्राम मवई में एक व्यक्ति के पैर में गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही थाना स्थानीय पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल व्यक्ति को इलाज हेतु अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। फील्ड यूनिट व फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके का गहनता से अध्ययन कर साक्ष्य संकलन करते हुए मृतक के घर से ही आलाकत्ल बरामद कर लिया गया है। उक्त घटना के सम्बन्ध में यह तथ्य सामने आया है कि मृतक का उसकी पत्नी से मायके जाने को लेकर विवाद था। समस्त साक्ष्यों के संकलन के उपरान्त समुचित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जाएगी।

कानपुर पुलिस से मुठभेड़ में लाखों लूटने वाले दो शातिर गिरफ्तार : असलहे और नकदी बरामद

कानपुर। यहां की कमिश्नरेट पुलिस आजकल लुटेरों के पीछे पड़ी है। उसने उसने चकेरी थाना क्षेत्र में मुठभेड़ के दौरान दूध शातिर लुटेरों को भी गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से लूटी गई लाखों की नकदी भी बरामद हुई है। वहीं दोनों घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिसके बाद उन्हें जेल भेजा जाएगा। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने यहां पत्रकारों को बताया कि लूट की यह वारदात चकेरी थाना क्षेत्र के श्याम नगर में हुई थी। यहां पर श्यामनगर चौकी से कुछ दूरी पर कट्टे की बट मारकर बाइक सवार से नकदी से भरा बैग लूट लिया गया था। इसी घटना में गुरुवार देर रात पुलिस ने मुठभेड़ में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों घायल बदमाशों को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया है। यह भी अवगत कराते चलें कि इस घटना में पुलिस ने आठ दिन बाद बीते बुधवार को रिपोर्ट दर्ज की थी। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश के मुताबिक 16 फरवरी की शाम को यशोदानगर निवासी वासिद अपने साथी अदशद के साथ बाइक से बैंक से नकदी निकाल बैग में लेकर जा रहा था। इसी दौरान शताब्दी उद्यान के पास मोड़ पर दो बाइक सवार चार बदमाशों ने वासिद और उसके दोस्त को पीटा था। कट्टे की बट मारकर नकदी से भरा बैग लूटकर फरार हो गए थे। पीड़ित ने उस समय घटना से इनकार किया था। लेकिन बाद मेंपीड़ित ने तहरीर देकर चकेरी थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। सूचना के आधार पर पुलिस ने गुरुवार रात को अहिरवां के अस्सी फिट रोड पर घेराबंदी कर बाइक सवार दो आरोपियों को पकड़ने का प्रयास किया। इस पर उन लोगों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में दोनों आरोपियों के पैर पर गोली लगी है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि पूछताछ में आरोपियों ने नाम बेकनगंज निवासी यासीन और मुजाहिद पता चले हैं। वहीं कुछ अन्य सूत्रों के मुताबिक घटना में 24 लाख की नकदी लूटी गई थी। अब पुलिस गिरफ्तार बदमाशों के फरार साथियों की तलाश कर रही है।

शेरकोट में रंग एकादशी पर उमड़ा उत्साह, सूखे रंगों के जुलूस ने बांधा समां

शेरकोट /बिजनौर (सब का सपना):- रंग एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को नगर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ सूखे रंगों का भव्य जुलूस निकाला गया। डीजे की थाप पर थिरकते हुरियारों ने पूरे नगर का माहौल भक्तिमय और रंगमय बना दिया। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और भाईचारे का संदेश फैलाया। सुबह से ही नगर में उत्सव का माहौल देखने को मिला। डीजे पर बजते होली गीतों पर लोग झूमते नजर आए। जुलूस विभिन्न मार्गों से होता हुआ पूरे नगर में भ्रमण करता रहा, जहां जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। हर वर्ष की भांति इस बार भी सोमवार प्रातः नगर के द्रोपदा मंदिर प्रांगण से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद जुलूस का शुभारंभ समाज सेवी शरद चन्द्र शर्मा व राजवीर सिंह गहलौत ने फीता काटकर किया। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा और जुलूस शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जलूस में राकेश रुहेला,मुकेश रस्तौगी,नरेंद्र यादव ,रिंकू वर्मा,राजू कर्णवाल, दिनेश वर्मा,गोलू शर्मा,रजत वर्मा, सुमित वर्मा,अमिश रस्तौगी,फूल सिंह सैनी,राधे सैनी,शेखर वर्मा आदि मौजूद रहे।

गोल्डन लायनेस नव चेतना क्लब में मची ब्रज की होली की धूम

गंज /बिजनौर (सब का सपना):- गोल्डन लायनेस नव चेतना क्लब द्वारा ब्रिज की होली थीम पर भव्य एवं रंगारंग होली महोत्सव का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का प्रारंभ क्लब की अध्यक्षा सुमन, सचिव रेनू , व ट्रेजरर ज्योति द्वारा अतिथियों का तिलक कर उन्हें पौधा भेंटकर स्वागत किया गया । इस भव्य कार्यक्रम की शुरूआत खुशबू कर्णवाल एवं अंजना त्यागी द्वारा भगवान श्री कृष्ण राधा रानी स्वरूप बच्चों पर पुष्प अर्पित करके की गई । क्लब सदस्यों द्वारा सामूहिक व एकल नृत्य व गायन के माध्यम से मनमोहक प्रस्तुति दी गई। विभिन्न प्रकार के खेल अतिथियों व क्लब सदस्यों को खिलाएं गए। जिसके परिणाम स्वरूप होली क्वीन नितिन चौधरी व रंगों की रानी दीप्ति अग्रवाल रही। जिला प्रतियोगिता भारत की विभिन्न प्रकार की साड़ी प्रतियोगिता मे कविता ने बाजी मारी , रुमझुम ,नीशू, शिवानी को प्रतिभाग करने पर पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल में प्रतियोगिता की प्रोजेक्ट हेड सुनीता सिंह, पीडीसीपी अरुणा मित्तल , व किरण अग्रवाल रही। प्रतिभागियों ने भारतीय परिधान साड़ी को विभिन्न प्रकार से पहनकर उनके बारे में सभी को बताया व साड़ी के महत्व को भी दशार्या। । बिजनौर के बृज की पारंपरिक शैली में फूलों की होली खेली गई जिसमें गुलाल और रंग-बिरंगे पुष्पों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा ।राधे-राधे और होली के पारंपरिक गीतों पर सभी ने आनंदपूर्वक नृत्य किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एक दूसरे को पारंपरिक गुलाल अर्पण एवं फूलों की होली खेली अंत में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। मंच का संचालन ज्योति व शैली ने किया। संचालक द्वारा ब्रिज की होली से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सभी को दी गई व प्रश्नोत्तरी के माध्यम से कार्यक्रम को रोचक बनाया गया संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में क्लब की गोल्डन लायनेस नीतू,

अनीता ,अर्चना ,करुणा ,नेहा, निशु, नितिन ,राखी, रूपाली, शिल्पा, योगिता, मिली, नीलम, पारुल, रीना , रुमझुम ,रमा,भावना का महत्वपूर्ण योगदान रहा। क्लब अध्यक्ष सुमन ने कार्यक्रम के में आए पदाधिकारीयों अरुणा मित्तल , किरण अग्रवाल , सुनीता सिंह ,शिप्रा, सीमा, अदिति, अंजू, पूनम,दीप्ति, सोनिया, अंजलि, रूपाली , राशि ,कनक ,प्रीति,सपना, चारु आदि का कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए धन्यवाद किया।

आतिशी से पवन खेड़ा तक: दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में कोर्ट के फैसले पर नेताओं ने क्या कहा?

राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी कर दिया है। इस फैसले के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं ने इसे 'सच की जीत' बताया।

नई दिल्ली। नई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा आबकारी नीति मामले में अरविन्द केजरीवाल और मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को बरी किए जाने के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं और उनके परिजनों ने इसे ह्यसच की जीतह्व बताया है। सच की हमेशा जीत होती है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि, इस संसार में कोई कितना भी शक्तिशाली हो जाए, शिव शक्ति से ऊपर नहीं हो सकता। सच की हमेशा जीत होती है। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि, सत्यमेव जयते! उन्होंने आगे कहा कि आज एक बार फिर बी. आर. अम्बेडकर की दूरदर्शिता और संविधान पर गर्व महसूस हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बेईमान साबित नहीं किया जा सका। माफी मांगे प्रधानमंत्री आप सांसद संजय सिंह ने भी फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले से साबित हो गया है कि एक ह्लषड्यंत्रकारी सत्ताह्व ने उनके नेताओं को बदनाम करने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेताओं को जेल में प्रताड़ित किया गया और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से देश से माफी मांगने की मांग की। आप नेताओं ने एक सुर में इसे न्याय की जीत बताते हुए राजनीतिक साजिश करार दिया है। वहीं, इस फैसले के बाद आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीतिक घमासान और तेज होने की संभावना है। चुल्लू भर पानी में डूब जाए सी बी आई पार्टी विधायक संजिव झा ने जांच एजेंसी पर निशाना साधते हुए कहा, "सी बी आई को चुल्लू भर पानी में डूब मरना चाहिए," और इसे एजेंसियों की विफलता बताया। वहीं, आप नेता गीता रावत ने फैसले को सत्य की जीत करार देते हुए कहा, "सांच को आंच नहीं। आज अदालत ने उस सच्चाई पर मुहर लगा दी, जिसे दिल्ली की जनता पहले से जानती थी। मनीष सिसोदिया से ज्यादा ईमानदार कोई नहीं है।" उन्होंने आरोप लगाया कि झूठे आरोपों के जरिए सत्ता छीनने की कोशिश की गई थी। कट्टर इमानदार पार्टी है आप इस मुद्दे पर आतिशी ने भी केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "आम आदमी पार्टी एक कट्टर ईमानदार पार्टी है और अरविंद केजरीवाल व मनीष सिसोदिया कट्टर ईमानदार नेता हैं। आज यह साबित हो गया कि किस तरह एजेंसियों का इस्तेमाल कर आप पर आरोप लगाए गए।" वहीं, विपक्षी दल कांग्रेस ने इस फैसले को अलग नजरिए से देखा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि यह फैसला चौंकाने वाला नहीं है और भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए एजेंसियों के इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनावों से पहले इस तरह की कार्रवाई कोई नई बात नहीं है।

कोरडेलिया क्रूज केस में समीर वानखेड़े को झटका, दिल्ली हाई कोर्ट ने अनुशासनात्मक कार्रवाई को दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े के खिलाफ 2021 के कोरडेलिया क्रूज ड्रग्स मामले से जुड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही जारी रखने की मंजूरी दे दी है। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति अमित महाजन की खंडपीठ ने केंद्र सरकार की याचिका को मंजूर करते हुए कहा, 'यह याचिका मंजूर की जाती है।' कैट के आदेश को किया खारिज केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) के 19 जनवरी के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें समीर वानखेड़े को जारी किया गया 'चार्ज मेमोरेंडम' (18 अगस्त 2025 को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी) रद्द कर दिया गया था और अनुशासनात्मक कार्यवाही को खारिज कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने कैट के इस आदेश को पलटते हुए अनुशासनात्मक जांच को आगे बढ़ाने की अनुमति दे दी। 2008 बैच के आईआरएस अधिकारी समीर वानखेड़े वर्ष 2021 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) मुंबई में तैनात थे। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कोरडेलिया क्रूज ड्रग बस्ट मामले में फंसाने की धमकी देकर उनके परिवार से कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की मांग की थी। इस मामले ने सुर्खियां बटोरी थीं। अनुशासनात्मक जांच के आरोप वानखेड़े के खिलाफ केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) द्वारा अनुशासनात्मक जांच शुरू की गई थी। आरोप थे कि एनसीबी से हटाए जाने के बाद उन्होंने जांच से जुड़ी गोपनीय जानकारी एनसीबी के कानूनी विभाग से मांगी और जांच को 'सही दिशा' में ले जाने के लिए कानूनी अधिकारी से 'आश्वासन' मांगा। पिछली सुनवाई और स्टे 12 जनवरी को हाई कोर्ट ने कैट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, जिसमें अनुशासनात्मक कार्यवाही पर रोक लगाई गई थी। हालांकि, कोर्ट ने कैट को निर्देश दिया था कि वह मुख्य मामले का फैसला 14 जनवरी या अगले 10 दिनों के भीतर गंभीरता से करे। अब हाई कोर्ट के इस फैसले से जांच फिर से शुरू हो सकेगी।

खठव छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 14 गिरफ्तार, UGC को लेकर लॉन्ग मार्च में दिल्ली पुलिस के साथ हुई थी हिंसक झड़प

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) में ह्यलान्ग मार्च के दौरान पुलिस से झड़प के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस ने छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा, उपाध्यक्ष गोपिका के बाबू, संयुक्त सचिव दानिश अली और पूर्व अध्यक्ष नितीश कुमार समेत 14 छात्रों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले करीब 50 छात्रों को हिरासत में लिया गया था। ऐसे बढ़ा था विवाद, फिर हुई गिरफ्तारी जेएनयू छात्रसंघ ने कुलगुरु के खिलाफ गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर से शिक्षा मंत्रालय तक ह्यलाग मार्चह्व निकालने की घोषणा की थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया था कि परिसर से बाहर प्रदर्शन की अनुमति नहीं है और मार्च कैंपस तक सीमित रखने को कहा गया था। दोपहर करीब 3:20 बजे लगभग 500 छात्र मुख्य द्वार की ओर बढ़े और बाहर निकलने का प्रयास किया। पुलिस ने गेट पर बैरिकेड लगाकर उन्हें रोका। आरोप है कि इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड हटाने की कोशिश की, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिसकर्मियों पर फेंके थे बैनर, डंडे और जूते पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान बैरिकेड्स को नुकसान पहुंचाया गया और कुछ पुलिसकर्मियों पर बैनर, डंडे व जूते फेंके गए। धक्का-मुक्की में एसएचओ किशनगढ़ समेत कई पुलिसकर्मी घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने छात्र नेताओं और अन्य प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। बाद में मामले की जांच के आधार पर छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा सहित 14 छात्रों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। छात्रों के आरोप और प्रशासन का पक्ष छात्रसंघ अध्यक्ष अदिति मिश्रा का आरोप है कि वे शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे थे, लेकिन बिना वर्दी में मौजूद लोगों ने उन्हें जबरन हिरासत में लिया। छात्रों का दावा है कि पुलिस ने पूरे परिसर को घेर लिया था और बाहर नहीं जाने दिया। प्रदर्शन विश्वविद्यालय की कुलगुरु शांतिश्री धुलिपुडी पंडित के कथित बयान के विरोध में किया जा रहा था। वहीं, विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यूजीसी नियम लागू करने की मांग वर्तमान परिस्थितियों में उचित नहीं है, क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट स्थगन आदेश दे चुका है। प्रशासन के अनुसार, कार्रवाई का आधार परिसर में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और हिंसा की घटनाएं हैं, जिनकी जांच प्राक्टोरियल प्रक्रिया से की गई है।

जल बोर्ड बिल भेजता है तो साफ पानी क्यों नहीं देता? बुराड़ी में गंदे पानी से लोग परेशान, खरीदकर पीने को मजबूर

बाहरी दिल्ली। बुराड़ी में पीने के पानी को लेकर लंबे समय से मारामारी की स्थिति है। कहीं नियमित पेयजल आपूर्ति न होने की शिकायत है तो कहीं दूषित जलापूर्ति को लेकर लोग परेशान हैं। आधा दर्जन से अधिक कालोनियों में नलों से गंदा-बदबूदार पानी आ रहा है। दूषित जलापूर्ति के कारण लोग पानी खरीदकर पीने को मजबूर हैं। सुबह-शाम वाहनों पर और कंधे पर पानी के कैंपर ले जाते लोग आसानी से देखने को मिल जाएंगे। दूषित जलापूर्ति व जल संकट के कारण क्षेत्र में पानी का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। लोगों का कहना है कि जल बोर्ड बिल तो नियमित रूप से भेज देता है, लेकिन साफ पानी उपलब्ध कराने में नाकाम है। फिल्टर और आरओ भी नहीं करते काम सत्य विहार, संत नगर, बुराड़ी गांव, बाबा कॉलोनी, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, नत्थू कॉलोनी, अजित विहार व गौरव विहार सहित तमाम रिहायशी क्षेत्रों में पीने के पानी किल्लत बनी हुई है। आमतौर पर यहां घरों में पानी की फिल्टर मशीन लगी हुई हैं। पानी की गुणवत्ता इतनी खराब है कि फिल्टर और आरओ भी जवाब दे जाते हैं। पानी की खराब गुणवत्ता होने की वजह से बहुत जल्द ही खराब हो जाता है। जबकि यहां पानी बेचने का व्यापार भी धड़ल्ले से चलता है। दूषित जलापूर्ति की वजह से मजबूरन लोगों निजी प्लांटों से पानी खरीदकर पीना पड़ता है। इन प्लाटों पर 10 से 40 रुपये तक 20 लीटर स्वच्छ जल लोगों के घरों तक पहुंचाया जाता है। बुराड़ी के सत्य विहार में पिछले लगभग 10 वर्ष से पहले पानी की पाइप लाइन डाली गई। लेकिन आज तक लोगों को स्वच्छ जल मुहैया नहीं कराया गया। कालोनी में लगभग 25 में से पांच गलियों में पानी आता ही नहीं। जबकि अन्य 20 गलियों में नलों से दूषित जलापूर्ति होती है। इस वजह से कॉलोनी में रहने वाले लगभग 10 हजार लोग परेशान हैं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष अमित सक्सेना ने बताया कि बुराड़ी की लगभग 70 प्रतिशत कालोनियों में पानी की समस्या है। जिसका समाधान आज नहीं हो सका।

दिल्ली के सीएम श्री स्कूलों में आज से शुरू होंगे दाखिले, कैसे होगा एडमिशन?

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सीएम श्री स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो गई है। शिक्षा निदेशालय ने कहा है कि इस बार प्रवेश पूरी तरह एंट्रेंस परीक्षा पर आधारित होगा। स्कूल अलॉट होने के बाद किसी भी स्थिति में ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। ऐसे में अभिभावकों और छात्रों के लिए स्कूल का विकल्प भरते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। आज से शुरू होंगे ऑनलाइन आवेदन शिक्षा विभाग के अनुसार छठवीं, नौवीं और 11वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुक्रवार से शुरू होंगे, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 12 मार्च तय की गई है। प्रवेश केवल उन्हीं छात्रों को मिलेगा जो दिल्ली के निवासी हों और शैक्षणिक सत्र 2025-26 में दिल्ली के मान्यता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाई कर चुके हों। इस बार प्रवेश प्रक्रिया में सरकारी स्कूलों के छात्रों को प्राथमिकता दी गई है। कुल सीटों में से 50 प्रतिशत सीटें सरकारी स्कूलों से पांचवीं, आठवीं और 10वीं पास करने वाले विद्यार्थियों के लिए आरक्षित रहेंगी। शिक्षा विभाग का कहना है कि इसका उद्देश्य सरकारी स्कूलों के मेधावी छात्रों को उन्नत शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना है। दाखिले के लिए ओएमआर आधारित आब्जेक्टिव परीक्षा कराई जाएगी। छठवीं की परीक्षा द्विभाषीय होगी और इसमें नेगेटिव मार्किंग नहीं रहेगी। वहीं, नौवीं और 11वीं की परीक्षा अंग्रेजी माध्यम में होगी व इनमें नेगेटिव मार्किंग लागू होगी। छठवीं के लिए 300 अंक और नौवीं व 11वीं के लिए 400 अंकों की परीक्षा होगी। शिक्षा निदेशालय ने बताया कि छठवीं और नौवीं की प्रवेश परीक्षा मार्च के अंतिम सप्ताह तक होगी। वहीं पूरी दाखिला प्रक्रिया 30 अप्रैल तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं 11वीं के लिए प्रवेश परीक्षा मई में आयोजित होगी। प्रवेश के लिए कड़ा मुकाबला अधिकारियों का कहना है कि सीमित सीटों और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया को देखते हुए इस वर्ष सीएम श्री स्कूलों में प्रवेश के लिए कड़ा मुकाबला हो सकता है। अभिभावक अपने बच्चो आवेदन केवल शिक्षा निदेशालय की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही करें।

ग्रेटर नोएडा: मकान में लगी आग, छत पर फंसे व्यक्ति को सुरक्षित निकाला, तीन दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

ग्रेटर नोएडा के थाना बिसरख क्षेत्र के गौर सिटी स्थित सावेरी इलाके में शुक्रवार दोपहर एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि आगजनी में कोई जनहानि नहीं हुई। सीएफओ प्रदीप चौबे का कहना है कि फायर स्टेशन को घटना की सूचना दोपहर 12:21 बजे प्राप्त हुई थी। जिसके तुरंत बाद 12:23 बजे गौर सिटी यूनिट की दमकल गाड़ियां घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गईं। रेस्क्यू ऑपरेशन में कुल तीन अग्निशमन वाहनों को लगाया गया। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने पाया कि मकान के भूतल पर रखे फर्नीचर और घरेलू सामान में आग लगी हुई थी। आग की लपटें और धुआं तेजी से ऊपर की ओर फैल रहा था, जबकि मकान की ऊपरी मंजिल पर लोग मौजूद थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और आग पर काबू पाने के साथ-साथ रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इसी दौरान एक व्यक्ति छत पर फंसा हुआ मिला। दमकल विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए लैडर (सीढ़ी) की सहायता से उसे सुरक्षित नीचे उतारा। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। हालांकि सटीक कारणों की जांच की जा रही है। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। समय रहते फायर ब्रिगेड की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

कोविड-19 से 16 गुना तक ज्यादा जानलेवा है वायु प्रदूषण, चौंकाने वाले आंकड़े देश भर के लिए गंभीर

डॉ. बागई ने सत्र में बताया कि वायु प्रदूषण से होने वाली मौतें आधिकारिक आंकड़ों में कम दर्ज होती हैं। उपलब्ध वैश्विक आंकड़ों के अनुसार हर वर्ष 50 लाख से 81 लाख मौतें वायु प्रदूषण से जुड़ी हैं। स्टेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट 2020 के हवाले से उन्होंने कहा कि भारत में ही 20 से 30 लाख मौतें प्रतिवर्ष वायु प्रदूषण के कारण होती हैं।उन्होंने कोविड-19 के संदर्भ में तुलना करते हुए कहा कि चार वर्षों में भारत में लगभग 6 लाख मौतें दर्ज की गईं, जबकि वायु प्रदूषण हर वर्ष कोविड अवधि के औसत वार्षिक आंकड़े से 16 गुना अधिक जान ले रहा है। इसके बावजूद भारतीय अस्पतालों की आईपीडी और ओपीडी प्रणाली में वायु प्रदूषण के लिए कोई समुचित डायग्नोसिस कोडिंग मौजूद नहीं है।लैंसेट 2021 और आईसीएमआर 2019 के अनुसार देश में कुल मौतों का 18 से 25 फीसदी हिस्सा वायु प्रदूषण से जुड़ा है। यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के हवाले से उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण के कारण प्रति व्यक्ति वयस्क जीवन के 8 से 10 वर्ष कम हो सकते हैं। लंग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अनुसार दिल्ली के 30 फीसदी बच्चों में अपरिवर्तनीय फेफड़ों की क्षति पाई गई है। बर्कले अर्थ के शोध का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि पीएम 2.5 के हर 22 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर का पूरे दिन का एक्सपोजर एक सिगरेट पीने के बराबर जोखिम पैदा करता है। दिल्ली में सर्दियों के पांच महीनों का संचयी एक्सपोजर लगभग 9000 सिगरेट पीने के बराबर आंका गया है। इससे जीवनकाल में 129 दिन यानी लगभग 4.3 महीने की कमी आती है। यदि कोई व्यक्ति 30 वर्ष तक दिल्ली में रहता है तो वह औसतन 11 वर्ष जीवन खो सकता है।उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर के स्तर पर 8 घंटे का एक्सपोजर एक सिगरेट के बराबर है, जबकि 511 माइक्रोग्राम पर यह 8 सिगरेट तक पहुंच सकता है। कनाडियन एयर क्वालिटी हेल्थ इंडेक्स के अनुसार 10 माइक्रोग्राम स्तर पर 24 घंटे में 0.5 सिगरेट, 60 माइक्रोग्राम पर 2.7 सिगरेट और 100 माइक्रोग्राम पर 23.2 सिगरेट के बराबर जोखिम हो सकता है।जुलाई 2024 की लैंसेट रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में कुल मौतों का 11 फीसदी पीएम 2.5 से जुड़ा है। और हर 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर वृद्धि पर मृत्यु दर 3.6 फीसदी तक बढ़ सकती है। पीएम 2.5 और मृत्यु दर का सीधा संबंध पीएम 2.5 बाल के आकार के लगभग एक-चौथाई के बराबर सूक्ष्म कण होते हैं। इनके स्तर में हर 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर वृद्धि से मृत्यु दर 4 फीसदी, 10 माइक्रोग्राम वृद्धि पर 8 फीसदी और 35 माइक्रोग्राम वृद्धि पर 24 फीसदी तक बढ़ सकती है। नेचर जर्नल के एक शोध का हवाला देते हुए डॉ बागई ने कहा कि पीएम 2.5 में हर 1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर वृद्धि से प्रतिवर्ष 12,000 अतिरिक्त मौतें होती हैं। वहीं 1 माइक्रोग्राम वृद्धि मृत्यु दर में 0.073 फीसदी बढ़ोतरी से जुड़ी है। प्रदूषण में 1 यूनिट वृद्धि 1200 से 1600 मौतों के बराबर आंकी गई है। कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और सल्फर ऑक्साइड में हर 1 फीसदी वृद्धि से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 2 गुना तक बढ़ सकता है। 15 मिनट से लेकर पांच दिन तक का जोखिम लैंसेट नवंबर 2022 रिपोर्ट के आधार पर उन्होंने कहा कि 15 मिनट से अधिक खराब हवा में संपर्क श्वसन संकट पैदा कर सकता है। 1 से 2 दिन का लगातार एक्सपोजर मायोकार्डियल इनफार्क्शन और स्ट्रोक का कारण बन सकता है, जबकि 3 से 5 दिन का संपर्क अचानक कार्डियक अरेस्ट तक ले जा सकता है। सापेक्ष आर्द्रता बढ़ने पर सुबह के समय प्रदूषण स्तर बढ़ जाता है, इसी समय बच्चे स्कूल जाते हैं। सर्वे के अनुसार कई बच्चे स्कूल जाने से बचते हैं या दिल्ली छोड़ने की इच्छा जताते हैं। माइक्रोप्लास्टिकः एक नया उभरता खतरा आर्थिक नुकसान और नीति की जरूरत डॉ. बागई ने कहा कि भारत का स्वास्थ्य बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक है, जबकि वायु प्रदूषण के कारण उत्पादकता में हर वर्ष 24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है, जो जीडीपी का लगभग 8 फीसदी है। यह स्वास्थ्य बजट का लगभग 24 गुना है।उन्होंने नगर निगमों द्वारा धूल प्रबंधन के पुराने तरीकों की आलोचना की और कहा कि ठोस नीति, मजबूत वित्तीय प्रतिबद्धता और स्पष्ट सार्वजनिक एजेंडा के बिना स्थिति और गंभीर हो सकती है। वायु प्रदूषण को केवल फेफड़ों की बीमारी समझना भूल होगी। यह प्रतिरक्षा तंत्र, हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे और चयापचय प्रणाली सहित लगभग हर अंग को प्रभावित करता है। यदि अभी निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और अगली पीढ़ी पर इसका बोझ असहनीय हो जाएगा। गर्भावस्था से ही शुरू हो जाता है खतरा डॉ. बागई ने कहा कि वायु प्रदूषण भ्रूण के अंगों को प्रभावित करता है। इससे समयपूर्व प्रसव, ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार, मातृ उच्च रक्तचाप, प्लेसेंटा संबंधी समस्याएं और मृतजन्म में लगभग 14 फीसदी तक वृद्धि देखी गई है।प्रदूषण के संपर्क से जन्मजात हृदय रोग, कटे होंठ, सूक्ष्म सिर, रीढ़ की विकृति और एक गुर्दे की अनुपस्थिति जैसी संरचनात्मक असामान्यताएं बढ़ सकती हैं। यदि महिला गर्भधारण से 12 महीने पहले प्रदूषकों के संपर्क में रही हो तो आनुवंशिक परिवर्तन पहले ही शुरू हो सकते हैं।

नोएडा सेक्टर-2 में सांड की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत; सेक्टर-4 में ग्राफिक्स डिजाइनर को पटका

सेक्टर-2 में साइकिल से घर जा रहे व्यक्ति को सांड ने टक्कर मार दी। इससे उसकी मौत हो गई। मंगलवार को हुई इस घटना से लोगों में गुस्सा है और प्राधिकरण पर लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। कोतवाली फेज वन पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरौला में रहने वाले सर्वेंद्र कुमार (44) नोएडा स्थित कंपनी में नौकरी कर रहे थे। मंगलवार को वह साइकिल से लेबर चौक से संदीप पेपर मिल की तरफ जा रहे थे। तभी सेक्टर-2 में डी ब्लॉक के पास सांड ने टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गए। इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। तब पुलिस ने आम लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। हरौला में रहने वाले सर्वेंद्र कुमार (44) नोएडा स्थित कंपनी में नौकरी कर रहे थे। मंगलवार को वह साइकिल से लेबर चौक से संदीप पेपर मिल की तरफ जा रहे थे। तभी सेक्टर-2 में डी ब्लॉक के पास सांड ने टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिर गए। इसके बाद वहां अफरातफरी मच गई। तब पुलिस ने आम लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। कोतवाली प्रभारी अमित मान का कहना है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे देखे जा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आसपास के लोगों का आरोप है कि शहर में लावारिस पशुओं का आतंक है। सांड के टक्कर मारने से हुई मौत के बाद घर में मातम पसरा है और शहर के लोगों में गुस्सा है। अब तक प्रशासन की तरफ से कोई भी अधिकारी मृतका के घर नहीं पहुंचा है। सांड ने ग्राफिक्स डिजाइनर को पटका वहीं, बुधवार रात ग्राफिक्स डिजाइनर को सांड ने पटक दिया। इसमें वह घायल हो गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो को समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष आश्रय गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट किया है। आश्रय ने बताया कि सेक्टर-4 में टोनी अपने ऑफिस के पास २खड़े थे। तभी सांड ने उन्हें पटक दिया। इसमें वह घायल हो गए। उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है।

'पासपोर्ट रखना व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा', हाई कोर्ट ने अनुच्छेद 21 का उल्लेख करते हुए केंद्र का फैसला पलटा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई में कहा है कि पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा करने का अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता का एक अभिन्न हिस्सा है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने यह आदेश देते हुए केंद्र सरकार के फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें रेहेजा डेवलपर्स के पूर्व निदेशक योगेश रेहेजा का पासपोर्ट जब्त किया गया था। यह जब्ती इसलिए की गई थी क्योंकि उन्होंने पासपोर्ट नवीनीकरण के समय उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर की जानकारी नहीं दी थी। पासपोर्ट जब्त करने का आदेश रद कोर्ट ने केंद्र के 17 जनवरी, 2025 के पासपोर्ट जब्त करने के आदेश और अपील खारिज करने वाले 25 मार्च, 2025 के अपीलीय आदेश को रद कर दिया। कोर्ट ने कहा, 'पासपोर्ट रखने और विदेश यात्रा का अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है। ऐसे किसी भी राज्य कार्यवाही को उचित होना चाहिए और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होना चाहिए।' योगेश रेहेजा ने अक्टूबर 2024 में पासपोर्ट नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था। अधिकारियों ने दावा किया कि 2018 में दर्ज एक एफआईआर की जानकारी छिपाई गई थी। 17 जनवरी 2025 को पासपोर्ट जब्त कर लिया गया और अपील 25 मार्च 2025 को खारिज कर दी गई। याचिकाकर्ता के वकील ने 2019 के विदेश मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन का हवाला दिया, जिसमें कहा गया है कि केवल एफआईआर दर्ज होना ही आपराधिक कार्यवाही लंबित नहीं माना जाता, जब तक कि सक्षम अदालत द्वारा अपराध का संज्ञान नहीं लिया जाता। कोर्ट की महत्वपूर्ण टिप्पणियां कोर्ट ने देखा कि रेहेजा ने नवीनीकरण के लिए अक्टूबर 2024 में आवेदन किया था, लेकिन संज्ञान जब्ती के आदेश से एक महीने बाद फरवरी 2025 में लिया गया। अतः जब्ती के समय कोई आपराधिक कार्यवाही लंबित नहीं थी। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों द्वारा दिए गए कारण कानून की जांच में टिक नहीं पाते। कोर्ट में कहा कि राज्य की कोई भी कार्रवाई जो पासपोर्ट रखने के अधिकार पर प्रभाव डालती है, वह उचितता की जांच और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुपालन में होनी चाहिए। निष्कर्ष और राहत कोर्ट ने स्पष्ट किया कि विवादित आदेश कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं हैं। इसलिए, 17 जनवरी 2025 और 25 मार्च 2025 के आदेश रद किए जाते हैं। याचिकाकर्ता योगेश रेहेजा की ओर से सीनियर एडवोकेट संदीप कपूर (करणजावाला एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर) ने पक्ष रखा। यह फैसला पासपोर्ट कानून और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन को मजबूत करता है।

होली से पहले अलर्ट! फिर भी दिल्ली में शराब तस्करी रोकने के प्रयास नाकाफी, स्टाफ की कमी बनी बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। होली पर भी शराब की तस्करी रोकने के ठोस प्रयास नहीं हो सके हैं। स्टाफ की कमी के कारण व्यवस्था प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में दिल्ली में अवैध शराब की तस्करी की आशंका बनी हुई है। हालांकि विभाग का दावा है कि सभी सीमाओं पर आबकारी विभाग के साथ साथ दिल्ली पुलिस की टीमें लगाई गई हैं। दिल्ली में अधिक खतरा दीवाली और नए साल के बाद होली ऐसा अवसर होता है जब दिल्ली में बड़े स्तर पर अवैध शराब की आपूर्ति होने की आशंका रहती है। आबकारी विभाग द्वारा इसे रोकने की भी प्रयास किए जाते हैं। दूसरे राज्यों में सस्ती होने के कारण दिल्ली में शराब की तस्करी का खतरा अधिक रहता है। मगर जब विभाग के पास ना कर्मचारी ना संसाधन पर्याप्त हों तो ऐसे में किस तरह अवैध शराब पर रोक लगाई जा रही होगी यह समझने वाली बात है। पिछले कुछ सालों को देखें तो यह कार्रवाई पूर्व के सालों से कम होती जा रही है। इसका बड़ा कारण विभाग के प्रवर्तन विंग में कर्मचारियों की भारी कमी माना जा रहा है। हालांकि आबकारी विभाग का दावा है कि विभाग पूरी तरह से शराब की तस्करी रोकने के लिए काम कर रहा है और दिल्ली की सीमा सहित तस्करी वाले संभावित क्षेत्रों में टीमें तैनात की गई हैं। 60 में से 43 पद खाली विभाग की स्थिति की बात करें तो विभाग की सतर्कता विंग में कुल 60 स्वीकृत पदों में से 43 खाली पड़े हैं ,केवल 17 पद भरे हुए हैं। इसी विंग पर अवैध शराब की गतिविधियां रोकने की जिम्मेदारी है। दिल्ली में भाजपा की सरकार आने के बाद होली चौथा ऐसा मौका है जब शराब की तस्करी रोकने के लिए पर्याप्त स्टाफ और संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाए हैं।

भारतीय टीम को टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में जगह बनाने वेस्टडंडीज पर दर्ज करनी होगी बड़ी जीत

–अन्य परिणाामों पर भी रखनी होगी नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की जीत के साथ ही दक्षिण अफ्रीकी टीम टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में पहुंच गयी। इस प्रकार इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सहित दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। वहीं अब बचे हुए दो स्थानों के लिए भारत सहित चार टीमों वेस्टइंडीज,न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला है।

भारतीय टीम को अब सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सुपर-8 के अपने अंतिम मुकाबले में वेस्टइंडीज से 1 मार्च को बड़े अंतर से जीतना है। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

वहीं एक अन्य दावेदार न्यूजीलैंड ने 2 मैचों में से एक में जीत हासिल की है। न्यूजीलैंड को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में 27 फरवरी को इंग्लैंड से खेलना है। कीवी टीम अगर इंग्लैंड को हरा देती है तो उसे अंतिम ग्यारह में प्रवेश मिल जाएगा पर अगर न्यूजीलैंड इंग्लैंड से हार जाती है, तो टीम के लिए संभावनाएं काफी कम हो जाएंगी। न्यूजीलैंड के लिए केवल सकारात्मक बात ये है कि अभी टीम का नेट रन रेट प्लस 3.050 से काफी बेहतर है।

वहीं पाकिस्तान को 28 फरवरी को सुपर-8 के अपने अंतिम मैच में श्रीलंका से खेलना है। दो मैचों के बाद पाकिस्तान के पास अभी केवल एक अंक है। ऐसे में पाक अगर श्रीलंका को हरा देती है, तो टीम के कुल तीन अंक हो जाएंगे। वहीं पाक को यह भी प्रार्थना करनी होगी कि इंग्लैंड टीम न्यूजीलैंड को हरा दे। अगर पाक टीम श्रीलंका के खिलाफ जीत दर्ज करने में सफल रहती है और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ता है तो ऐसी हालत में अच्छे नेट रन रेट वाली टीम को सेमीफाइनल में प्रवेश मिलेगा।

रिंकू सिंह के पिता का निधन, लिवर कैंसर से पीड़ित थे, बीसीसीआई सहित कई क्रिकेटरों ने शोक जताया

ग्रेटर नोएडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह सहित कई अन्य क्रिकेटरों ने भी रिंकू के परिवार के प्रति संवेदना जतायी है। रिंकू गत दिवस जम्बिाब्वे के खिलाफ मैच भी नहीं खेल पाए थे। रिंकू अपने पिता से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद वह तुरंत चेन्नई लौट आए पर टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किया था।

हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार की वजह बताई

होबार्ट (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में खराब बल्लेबाजी की वजह से उन्हें लगातार हार का सामना करना पड़ा। पिछले साल नवंबर में विश्व चैंपियन बनने के बाद यह भारतीय टीम की पहली 50 ओवर की श्रृंखला है। भारत ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराकर शानदार शुरुआत की। लेकिन रविवार को एक मैच बाकी रहते पहले दो वनडे गंवा दिए।

दोनों टीमें सभी प्रारूप की सीरीज खेल रही हैं जिसका फैसला अंक के आधार पर होगा। वनडे श्रृंखला के बाद एक टेस्ट भी खेला जाएगा। दूसरे वनडे में मिली पांच विकेट की हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा, %हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। एक समूह के तौर पर हमने तय किया कि पहले बल्लेबाजी करते हैं और 300 से ज्यादा का स्कोर बनाएंगे क्योंकि पिच पिछले मैच की पिच से कहीं बेहतर थी।' उन्होंने कहा, 'लेकिन बदकिस्मती से हमने फिर वही गलतियां कीं। हमने लगातार विकेट गंवाए और ज्यादा रन नहीं बना पाए।'

हरमनप्रीत ने कहा, 'हम चाहे पहले बल्लेबाजी करें या लक्ष्य का पीछा करते हुए, हमें बहुत अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी क्योंकि जब भी हम अच्छी बल्लेबाजी करे हैं, हम अच्छी स्थिति में होते हैं। पिछले दो मैच में हमने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की और इसका हमें नुकसान हुआ। उम्मीद है कि अगले मैच में हम ऐसा करेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली संन्यास लेने से पहले रविवार को अपना आखिरी मैच खेलेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं परिणाम से बहुत खुश हूं। यह उन मैच में से एक था जहा मुझे लगा कि वे अच्छा स्कोर बनाने से बहुत पीछे रह गए, लेकिन साथ ही यह हमारे लिए हताशाजनक भी था क्योंकि मुझे लगा कि हम उन्हें थोड़ा और पहले आउट कर सकते थे। लेकिन इस तरह के विकेट पर उन्हें 250 रन पर रोकना हमारी टीम की एक शानदार कोशिश थी।'

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया

–सीरीज 2–0 से जीती

होबार्ट (एजेंसी)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

एशले गार्डनर ने चौका लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर–23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

बांग्लादेश भी शुरु कर रहा महिला क्रिकेट लीग, भारतीय खिलाड़ियों को भी दिया आमंत्रण

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) भी अब भारत के डब्ल्यूपीएल की तर्ज पर महिलाओं के लिए एक क्रिकेट लीग शुरु हरने जा रही है। इस लीग का नाम बांग्लादेश महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूबीपीएल) रखा गया है। इस लीग के मुकाबले 4 से 14 अप्रैल तक चलेंगे। ये टूर्नामेंट तीन टीमों के बीच होगा। बीसीबी ने इस लीग में खेलने का आमंत्रण भारतीय महिला खिलाड़ियों को भी दिया है। ये लीग इस उद्घाटन 4 अप्रैल को चटगांव में मुकाबले के साथ ही होगा। वहीं इसका खिताबी मुकाबला ढाका में खेला जाएगा। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप इसी साल जून में होने वाली है और ऐसे में बीसीबी को उम्मीद है कि इस लीग से खिलाड़ियों को अभ्यास का अच्छा अवसर मिलेगा। इसके साथ ही इससे नई प्रतिभाएं भी सामने आयेंगी। बीसीबी के अनुसार उसने इसमें शामिल होने का आमंत्रण भारतीय महिला क्रिकेटरों के साथ ही सभी देशों को दिया है। लीग गवर्निंग काउंसिल की प्रमुख रुबाबा डोवला ने कहा कि किसी भी देश की खिलाड़ी पर इसमें भाग लेने कोई रोक नहीं है। हाल ही में जिस प्रकार बीसीबी के भारतीय बोर्ड से मतभेद हुए हैं। उसको देखते हुए माना जा रहा है कि बीसीबी अब भारतीय बोर्ड से संबंधों को बेहतर करना चाहता है। डब्लयूबीपीएल इस लीग के लिए नीलामी मॉडल की जगह ड्राफ्ट सिस्टम अपनाएगा।

अभिषेक के फार्म हासिल करने पर युवराज ने खुशी जतायी, बोले बल्ले से ही आता है असली जवाब

नई दिल्ली। पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह टी20 विश्वकप में अपने शिष्य अभिषेक शर्मा की शानदार पारी से बेहद खुश हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में पहली बार अच्छी पारी खेलने में सफल रहे हैं। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर–आठ में 55 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं शुरुआती तीन लीग स्तर के मैचों में वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये थे जबकि सुपर–8 के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 15 रन ही बना पाये थे। ऐसे में वह प्रशंसकों के निशाने पर थे। वहीं अब अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ शर्मा ने 30 गेंद में 55 रन बनाकर लय हासिल की है। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 4 छक्के भी जड़े। सेमीफाइनल से ठीक पहले अभिषेक के फार्म में आने से उनके गुरु युवराज बेहद खुश हैं। उन्होंने सोशल मीडिय में लिखा, अच्छी पारी सर अभिषेक, जारी रखो। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ संभलकर खेला पर अवसर मिलते हुए बड़े शॉट भी लगा दिये। इस बल्लेबाज ने हर गेंद पर बड़े शॉट लगाने की जगह पर स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया जिससे भी उन्हें लाभ हुआ। इसी को देखते हुए युवराज ने लिखा, असली जवाब तब होता है जब आप अपने बल्ले को ही सारी बात करने देते हैं। अच्छी पारी, सर अभिषेक। ऐसे ही लगे रहिए।

हम विरोधी गेंदबाजों में डर देखना चाहते थे: तिलक

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने कहा कि जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में टीम तय करके उतरी थी कि शुरुआत से ही विरोधी टीम पर दबाव बनाया जाये। तिलक के अनुसार हमारी टीम चाहती थी कि विरोध गेंदबाजों के अंदर डर का माहौल बने। जिससे कि वह सटीक गेंदबाजी नह कर पायें। भारतीय टीम ने चेन्नई में हुए इस सुपर-8 मैच में 256 रन बनाकर जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज की। तिलक ने कहा, हम टीम के रूप में अच्छा स्कोर बनाना चाहते थे। हमने इस पर बात की थी कि अगर हम पावर प्ले में तीन या चार विकेट भी गंवा दें तब भी आक्रामक होकर ही खेलेंगे।

तिलक ने संजू सैमसन की पारी की भी सराहना की। सैमसन ने पारी की शुरुआत करते हुए 15 गेंद पर 24 रन बनाए और अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में ही 48 रनों की साझेदारी बनायी। तिलक ने कहा, जब सलामी बल्लेबाज अच्छी शुरुआत देते हैं तो इससे तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर के बल्लेबाजों का भी मनोबल बढ़ता है। सैमसन ने अच्छी शुरुआत की। इसके बाद हम विरोधी गेंदबाजों के अंदर डर देखना चाहते थे। और तिलक ने कहा कि खिलाड़ियों ने चेपॉक में खेले गए मैच से पहले पिछले टी20 मैचों के वीडियो देखे। उन्होंने कहा, हमने मैच से ठीक पहले बात की थी कि हम सकारात्मक मानसिकता के साथ मैदान में उतरेंगे। हमने पिछले एक साल में टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इन वीडियो को देखने के बाद हम सभी का मनोबल बढ़ा। तिलक ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने भी टीम के सदस्यों को बिना किसी दबाव के अपना स्वाभाविक खेल खेलने को कहा था। उन्होंने कहा, कोच कहा था कि हालात चाहे कैसी भी हो, बस उस तरह की क्रिकेट को याद रखें जो हमने पिछले साल से तथा न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू सीरीजमें खेली थी।तिलक ने कहा कि पिछले मैचों के वीडियो देखने और कोच की बातों से बल्लेबाजों के अंदर उत्साह पैदा। उन्होंने कहा, अहमदाबाद और दिल्ली दोनों की पिचें अच्छी थीं पर इस खेल में मानसिकता भी अहम भूमिका निभाती है। पहले हमारी मानसिकता यह थी कि विकेट गिरने के बाद हम बड़े शॉट खेलने के लिए थोड़ा समय देते थे पर इस मैच में अहम अगल रणनीति से उतरे। इससे पूरा दबाव विरोधी टीम पर आ गया।

किदांबी श्रीकांत बाहर, जर्मन ओपन में भारत का अभियान खत्म

मुल्हेम एन डेर रूहर। जर्मन ओपन 2026 में भारत की चुनौती गुरुवार को निराशाजनक तरीके से खत्म हुई, जब किदांबी श्रीकांत पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड में सीधे गेम में हार गए, और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड चैंपियनशिप सिल्वर मेडलिस्ट और मौजूदा वर्ल्ड नंबर 32 चीनी ताइपे के 11वीं रैंक वाले लिन चुन–यी से सिर्फ़ 32 मिनट में 21–14, 21–9 से हार गए। ताइवानी शटलर के खिलाफ़ इतने ही हेड–टू–हेड मुकाबलों में श्रीकांत की यह दूसरी हार थी। जनवरी में इंडिया ओपन 2026 का टाइटल जीतने वाले लिन ने इससे पहले स्विस ओपन 2024 के सेमीफाइनल में श्रीकांत को तीन गेम में हराया था। श्रीकांत ने शानदार शुरुआत की, पहले गेम में 9–5 की बढ़त बना ली। हालांकि, लिन ने धीरे–धीरे वापसी की, कमी को दूर करते हुए 12–10 से आगे हो गए और फिर आराम से पहला गेम जीत लिया। इंटरवल के बाद ताइवानी शटलर का मोमेंटम मज़बूत रहा, उन्होंने दूसरे गेम में 7–1 की बढ़त बना ली और पूरे गेम में कंट्रोल बनाए रखा, जिससे श्रीकांत वापसी नहीं कर पाए। इंडियन खिलाड़ी ने इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में क्वार्टर–फाइनल में जगह बनाने के बाद इस टूर्नामेंट में एंट्री की थी और इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भी देश को रिप्रेजेंट किया था। बुधवार को जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी शर्मा, मालविका बंसोड़ और किरण जॉर्ज के पहले राउंड से बाहर होने से भारत की चुनौती पहले ही कम हो गई थी। भारतीय शटलर अब मशहूर ऑल इंग्लैंड ओपन 2026 में हिस्सा लेंगे, जो अगले मंगलवार को बर्मिंघम में शुरू होगा।

सेंटनर जैसा कप्तान होना हमारे लिए फायदेमंद : रचिन रविंद्र

कोलंबो। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र ने टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह खिलाड़ियों को मजबूती का अनुभव कराते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं। रचिन के अनुसार सैंटनर किसी भी परेशानी में टीम के बचाव में उतरते हैं और अपने खिलाड़ियों को सुरक्षित अनुभव कराते हैं। रविंद्र ने कहा, सैंटनर काफी शांत स्वभाव के हैं पर इसके साथ ही उनका सोचने का अंदाज भी काफी सुलझा हुआ है, जैसे कि किस छोर से कैसी गेंद की जानी चाहिये। इससे भी अहम बात ये है कि वह अच्छा प्रदर्शन करके आगे बढ़कर नेतृत्व करते हैं। वह हमेशा खिलाड़ियों के साथ खड़े रहते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं। मेरा मानना है कि उनके जैसा कप्तान मिलना टीम के लिए काफी फायदेमंद है। उनके नेतृत्व में मैदान पर उतरते ही आपको ऐसा अहसास होता है जैसे आप काफी सशक्त। टीम में उनकी मौजूदगी से ही खिलाड़ी प्रेरित रहते हैं। यह केवल खिलाड़ियों को प्रेरित करने तक सीमित नहीं है। उपमहाद्वीप की पिचों पर गेंदबाजी करने का सैंटनर का अनुभव भी उन्हें विशेष बनाता है। वह अपनी स्पिनरों की हर प्रकार से सहाता करते हैं। इसीक कारण आज हमारे पास उनकी तरह के कई गेंदबाज हैं। वह हमें बताते हैं कि कैसी गेंदबाजी करनी है। इससे उभारते हुए खिलाड़ियों को काफी लाभ होता है।

टी20 विश्व कप : जिम्बाब्वे पर जीत से सूर्यकुमार खुश, लेकिन इस विभाग में सुधार की बात की

चेन्नई (एजेंसी)। बल्ले से थोड़ी देर के लिए कुछ खास करने के बाद, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पूरी टीम से बहुत खुश थे, जिन्होंने सबसे जरूरी मौके पर अच्छा प्रदर्शन किया, क्योंकि पिछली चैंपियन टीम ने कल रात यहां जरूरी मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराकर टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया।

भारतीय कप्तान ने बाएं हाथ के अभिषेक शर्मा की जबरदस्त हाफ सेंचुरी से शो जीत लिया, जिन्होंने तीन बार डक के बाद अपनी बड़ी हिटिंग स्किल में वापसी का इशारा दिया, और प्लेयर ऑफ द मैच हार्दिक पांड्या ने जिम्बाब्वे के अटैक का जमकर मजा लिया, जिससे भारत ने चार विकेट पर 256 रन बनाए, जो भारत का अब तक का सबसे बड़ा टोटल और टी20 वर्ल्ड कप का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर था। बाद में गेंदबाजों ने भी बैट्समैन के अच्छे काम में अपनी भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को 6 विकेट पर 184 रन पर रोक दिया, जिससे भारत ने 72 रन के बड़े अंतर से जीत हासिल की और सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदें जिंदा रखीं।

भारत को अपने पहले सुपर आठ मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। भारत का अगला मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर ईडन गार्डन में एक तरह से क्वार्टरफाइनल नॉकआउट होगा, जिसमें जीतने वाला लास्ट फोर ग्रेड में पहुंच जाएगा। मैच के बाद सूर्यकुमार यादव ने कहा कि सभी बल्लेबाजों का योगदान देखकर खुशी हुई, उन्होंने सब कुछ पीछे छोड़ दिया (प्रोटियाज़ के खिलाफ हार)। हालांकि उन्होंने कहा कि टीम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकती थी, लेकिन स्काई ने कहा, 'जीत तो जीत होती है और कैरिबियन के खिलाफ नॉक आउट मुकाबले से पहले शिकंजा कसने की अहमियत के बारे में बात की।'

सूर्यकुमार यादव ने जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों को भी पूरा क्रेडिट देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत स्मार्ट बैटिंग की, जिसमें ओपनर ब्रायन बेनेट 97 (834, 636) रन पर नाबाद रहे और एक ऐसे टारगेट का पीछा करते हुए अकेले ही आगे बढ़े जो नामुमकिन साबित हुआ। स्काई ने कहा, 'हम सब कुछ पीछे छोड़ना चाहते थे, पिछला गेम, ग्रुप स्टेज। सभी बैट्समैन का योगदान था और यह देखकर खुशी हुई।हम बॉल के साथ और क्लिनिकल हो सकते थे लेकिन जीत तो जीत होती है। हमें वेस्ट इंडीज मैच से पहले अपना शिकंजा कसने की जरूरत है।'

उन्होंने कहा, 'मैं जिम्बाब्वे के बल्लेबाजों से कोई क्रेडिट नहीं लेना चाहता। जिस तरह से उन्होंने बैटिंग की, वह बहुत स्मार्ट थी। बॉलिंग के नजरिए से, हम और बेहतर हो सकते थे। जब हम ऐसे हालात में होते हैं, तो हमें हिम्मत दिखानी होती है। जब हम कोलकाता पहुंचेंगे तो हम प्लान के बारे में सोचेंगे।'

संगकारा ने श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत बतायी

कोलंबो। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है। संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है। हम एक जैसी गलतियां दोहराते रहेंगे तो बेहतर परिणामों की उम्मीद नहीं की जा सकती है। अधुनिक क्रिकेट तेजी से बदल रहा है और हमें उसके अनुरुप ढ़लना होगा। अगर हमने अपने को नहीं बदला तो हम बाहर हो जाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म 'कश्मीर फाइल्स' फेम निर्देशक विवेक अग्निहोत्री को लेकर ऐसी चर्चा है कि वे पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों की तरफ से पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। ऐसी अफवाहों पर विवेक अग्निहोत्री ने चुप्पी तोड़ी है।

पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 आतंकी हमला हुआ था इसके बाद भारतीय सेना की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, जिसके तहत पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि विवेक, टी-सीरीज के साथ मिलकर ऑपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने वाले हैं। वहीं, इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक बातचीत में विवेक अग्निहोत्री ने इस टॉपिक पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि वे एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने और डिटेल्स बताने से मना कर दिया।

विवेक अग्निहोत्री ने ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित फिल्म बनाने संबंधी रिपोर्ट्स की पुष्टि करने या खारिज करने से मना करते हुए कहा, 'मैं किसी का नाम नहीं बता रहा हूं। मैं कह रहा हूं कि मैं एक बड़े नेशनलिस्टिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूं और मैं अपने समय पर इसका एलान करूंगा। यह बहुत बड़ा और बहुत ही दिलचस्प प्रोजेक्ट है।

अफवाहों को न खारिज किया, न ही पुष्टि की

पिंकविला के मुताबिक, प्रोडक्शन हाउस के करीबी सूत्रों ने बताया, 'भूषण कुमार और विवेक अग्निहोत्री ने अपनी अगली फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए हाथ मिलाया है। इसे टी-सीरीज और आई एम बुद्धा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया जाएगा। विवेक अग्निहोत्री इसके निर्देशन की जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, विवेक अग्निहोत्री से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बताया। उन्होंने न ही पुष्टि की, न ही खारिज किया। हालांकि, देखना दिलचस्प होगा कि निर्देशक ने अपने जिस अगले प्रोजेक्ट की बात की है, क्या वह इसी मुद्दे पर है या किसी और विषय पर फिल्म बना रहे हैं।

मृणाल ठाकुर के एक्स बॉयफ्रेंड को थी इन एक्टर्स से इनसिक्योरिटी

मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी यूट्यूब पर रौनक रजनी के शो में अपनी आने वाली फिल्म दो दिवाने सहर में के प्रमोशन के लिए पहुंचे थे। इस बीच मृणाल ने शेयर किया कि उनका एक्स-बॉयफ्रेंड उनके को-एक्टर्स को लेकर कितना इनसिक्योर था।

इनसिक्योरिटी पर बोलीं मृणाल

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या वे खुद को एक इनसिक्योर मानती हैं या नहीं। तब, उन्होंने स्वीकार किया कि कभी-कभी उन्हें इनसिक्योरिटी होती है और इसके लिए उन्होंने अपने एक्स-बॉयफ्रेंड से जुड़ी एक कहानी शेयर की। मृणाल ने कहा, 'करियर के शुरुआती दिनों में, मैं ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और शाहिद कपूर के साथ 'जर्सी' की शूटिंग कर रही थी। जो मेरा बॉयफ्रेंड था, उसे लगता था कि मैं अच्छे दिखने वाले एक्टर्स के साथ शूटिंग कर रही हूं और घूम रही हूं। इस वजह से उसे इनसिक्योरिटी होने लगी। उसने वर्कआउट करना शुरू कर दिया और 15-17 किलो वजन घटाकर मसल्स बनाए। लेकिन कुछ दिनों बाद, उसने वर्कआउट बंद कर दिया। फिर खाकर 20 किलो बढ़ा लिया। मेरे बॉयफ्रेंड ने कहा कि मैं थक गया हूं तुम्हारे एक्टर्स की बराबरी करने की वजह से। लेकिन असल में मैंने कभी उससे वजन घटाने को नहीं कहा। यह उसकी इनसिक्योरिटी थी, इससे मेरा कुछ लेना-देना नहीं था।

इस फिल्म में नजर आएंगी एक्ट्रेस

मृणाल ठाकुर जल्द ही 'दो दीवाने सहर में' नजर आने वाली हैं। यह एक रोमांटिक ड्रामा है। इसमें वे सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। रवि उदयवार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके निर्माता संजय लीला भंसाली हैं।

'अक्यूज्ड' के ट्रेलर में दिखा प्रतिभा रांटा का दमदार अंदाज

इस महीने की शुरुआत में नेटफ्लिक्स ने इस साल आने वाले अपने प्रोजेक्ट्स की घोषणा की थी। इसमें एक नाम शामिल था नेटफ्लिक्स की फिल्म 'अक्यूज्ड' का। कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा स्टारर इस फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। यह एक सस्पेंस-थ्रिलर ड्रामा है।

'अक्यूज्ड' पोलैंड में सेट सस्पेंस ड्रामा है। कहानी के केंद्र में हैं डॉ. गीतिका (कोंकणा सेन शर्मा), जो एक जाने-माने हॉस्पिटल में सबसे कम उम्र की हेड ऑफ डिपार्टमेंट के तौर पर काम कर रही हैं। डॉ. गीतिका एक मशहूर एलजीबीटीक्यू गायनेकोलॉजिस्ट हैं। वह डीन बनने की तैयारी कर रही हैं। गीतिका अपनी लेस्बियन पार्टनर मीरा (प्रतिभा रांटा) के साथ मिलकर एक बच्चे को एडॉप्ट करने की प्लानिंग करती हैं। लेकिन तभी सोशल मीडिया पर उन्हें ट्रोल किया जाता है। डॉ. गीतिका पर यौन दुराचार के गंभीर आरोप लगते हैं। उन्हें काफी कुछ कहा जाता है। इससे डॉ. गीतिका की जिंदगी और करियर, दोनों में भूचाल आ जाता है। जनता और अधिकारियों का शक बढ़ता है और सच्चाई धुंधली होती जाती है। इसके पीछे कौन है और क्या वजह है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। इस सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को अनुराग कश्यप की बहन अनुभूति कश्यप ने डायरेक्ट किया है। वो इससे पहले आयुष्मान खुराना की 'डॉक्टर जी' का भी निर्देशन कर चुकी हैं। वहीं करण जौहर के डिजिटल प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले फिल्म का निर्माण किया गया है। फिल्म की कहानी भी अनुभूति कश्यप ने ही लिखी है। फिल्म में कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा के अलावा आदित्य नंदा और सुकांत गोयल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'अक्यूज्ड' 27 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

'नागिन 7' में अपनी डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका चाहर चौधरी

प्रियंका चाहर चौधरी निर्माता एकता कपूर के सीरियल 'नागिन 7' में मुख्य भूमिका में टीवी पर वापस आई हैं। शुरू में लोगों ने उनकी एक्टिंग और 'नागिन' के लुक की काफी तारीफ की थी। लेकिन हाल ही में शो का एक सीन वायरल हुआ है, जिसमें प्रियंका के डायलॉग डिलीवरी पर नेटिजन्स सवाल उठा रहे हैं।

डायलॉग डिलीवरी को लेकर ट्रोल हुईं प्रियंका

'नागिन 7' में एक सीन में प्रियंका चाहर चौधरी 'नागिन' के रूप में एक भ्रष्ट पुलिस वाले को पीटते हुए उसकी गलतियां गिनाती हैं। यह एक लंबा संवाद वाला सीन है। इस सीन को देखने के बाद कई दर्शक निराश हो गए और सोशल मीडिया पर प्रियंका की डायलॉग बोलने की स्टाइल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं।

मैं कभी बॉलीवुड नहीं छोड़ना चाहती थी

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा दुनियाभर में मशहूर हैं। उन्होंने बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों में काम किया है और अपने करियर में कई शानदार फिल्में की हैं। अपने करियर के पीक समय में उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया था और हॉलीवुड का रुख किया था। लेकिन अब प्रियंका चोपड़ा ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि वे कभी बॉलीवुड छोड़ना नहीं चाहती थीं, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें हिंदी सिनेमा से बाहर मौके तलाशने के लिए 'पुश' किया।' बॉलीवुड से हॉलीवुड तक के अपने सफर पर बात करते हुए प्रियंका चोपड़ा ने खुलकर अपनी दिल की बात शेयर की। प्रियंका ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैं कभी बॉलीवुड छोड़ना चाहती थी। लेकिन जब मैं हिंदी फिल्मों में काम कर रही थी, तो कई वजहों से खुद को थोड़ा सीमित महसूस करती थी। मैं अपने काम का दायरा बढ़ाना चाहती थी। एक कलाकार के तौर पर मैं कुछ नया और रोमांचक करना चाहती थी। इसी सोच ने मुझे दूसरे मौके तलाशने के लिए प्रेरित किया।' उन्होंने आगे कहा, 'इसी तलाश ने मुझे अमेरिका पहुंचाया। अब करीब 12 साल बाद मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं उस मुकाम पर हूं, जहां मैं अपने मनपसंद और बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुन सकती हूं। लेकिन यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था।'

मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मेरी इंडियन फिल्मों से प्यार है। मैं बहुत खुश हूं कि वापस भारत में आकर वाराणसी फिल्म के लिए काम कर रही हूं। मैं कभी भी इन दोनों में से किसी एक को चुनना नहीं चाहूंगी। मैंने कभी ऐसा किया भी नहीं। मुझे लगता है कि मैं दोनों इंडस्ट्री के बीच संतुलन बनाकर चलती हूं और मुझे दोनों इंडस्ट्री में काम करना पसंद है। दोनों जगह काम करने का तरीका कई मायनों में अलग है, ठीक वैसे ही जैसे उनकी संस्कृतियां अलग होती हैं। लेकिन अब मेरा दिमाग दोनों तरीकों से सोचने का आदी हो चुका है। यह अपने आप में एक अनोखा, शानदार और मजेदार अनुभव है।'

अस्सी की कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से प्रेरित है

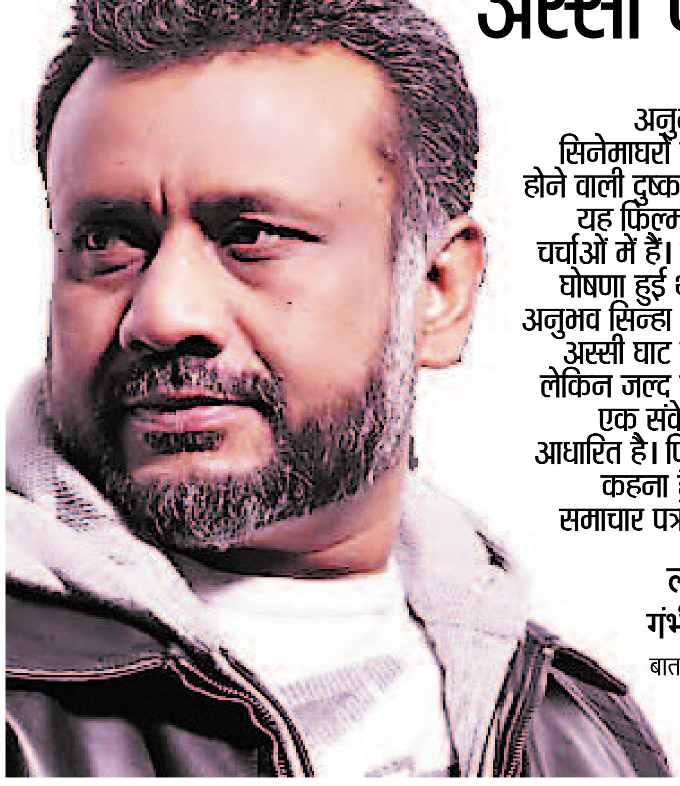

अनुभव सिन्हा की 'अस्सी' आज सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। देश में होने वाली दुष्कर्म की घटनाओं पर आधारित यह फिल्म अपनी घोषणा के बाद से ही चर्चाओं में हैं। हालांकि, जब इस फिल्म की घोषणा हुई थी, तो लोगों को लगा था कि अनुभव सिन्हा अपने गृहनगर वाराणसी के अस्सी घाट की कहानी लेकर आ रहे हैं। लेकिन जल्द ही पता चल गया कि कहानी एक संवेदनशील और जरूरी मुद्दे पर आधारित है। फिल्म को लेकर निर्देशक का कहना है कि कहानी का मूल विचार समाचार पत्रों की सुर्खियों से ही प्रेरित है।

लोगों को अब अपराध की गंभीरता से फर्क नहीं पड़ता

बातचीत में अनुभव सिन्हा ने फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि हमारे चारों ओर सूचनाओं की भरमार के कारण, दर्शकों को किसी अपराध की गंभीरता का एहसास कराना कठिन होता जा रहा है। फिर चाहे वह बलात्कार जैसा जघन्य अपराध ही क्यों न हो। अब यह उतना मायने नहीं रखता कि आपकी आंखों के सामने क्या है, बल्कि यह मायने रखता है कि क्या आकर्षक है। आप उससे विचलित हो जाते हैं। इसलिए यह कोई गपशप या सनसनीखेज कहानी हो सकती है, क्योंकि यह अब सनसनीखेज नहीं रह गई है।

बॉक्स ऑफिस नंबर्स गपशप का विषय

बॉक्स ऑफिस नंबर्स और क्रिटिक्स की रेटिंग को लेकर निर्देशक का कहना है कि बॉक्स ऑफिस कलेक्शन और समीक्षाओं में स्टार रेटिंग जैसी मामूली बातें भी चर्चा को एक संख्या तक सीमित कर देती हैं। जबकि असल मुद्दा चिंता का विषय होना चाहिए। ये आंकड़े गपशप का अच्छा जरिया हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे समझ रहे होंगे। उन्हें यह समझ नहीं आता कि दुनिया भर में कुल कमाई, भारत में कुल कमाई और भारत में शुद्ध कमाई क्या होती है। उन्हें यह नहीं पता कि निर्माता को बताई गई रकम का 50% से भी कम मिलता है। 400 करोड़ रुपये, 700 करोड़ रुपये और 800 करोड़ रुपये जैसे आंकड़े तो बहुत ही महत्वाकांक्षी लगते हैं। लेकिन मुझे उम्मीद है कि दर्शक इन आंकड़ों को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर मैं कर सकता तो मैं अपने आंकड़े घोषित नहीं करता, चाहे वे कितने भी अच्छे या बुरे क्यों न हों। लेकिन मैं इसे नहीं रोक सकता।

कोर्टरूम के अंदर के माहौल से असल में हुआ वाकिफ

कोर्टरूम को लेकर अनुभव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में मेरी दो वरिष्ठ महिला वकील दोस्त हैं। हमने उन्हें कहानी सुनाई। उन्होंने कहा, 'आप लोग इतनी गंदी कोर्ट शूटिंग करते हो। आपने कभी कोर्ट देखी है?' मैंने कहा, 'जी हां, सुप्रीम कोर्ट।' तो उन्होंने कहा, 'इसीलिए! आपने वो शांत, परिष्कृत कोर्टरूम देखा है जहां हर कोई चुपचाप सुनता रहता है। लेकिन फिल्म का मामला उस कोर्ट में नहीं जाएगा। अगले ही दिन मैंने नई दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट का दौरा किया और वहां का नजारा देखकर दंग रह गया। मुझे एहसास हुआ कि मैंने फिल्म 'मुल्क' के कोर्टरूम सीन गलत तरीके से फिल्माए थे। यह कोर्टरूम बहुत भीड़भाड़ वाला और अव्यवस्थित है। मुझे कोर्टरूम की यह शीतलता बहुत पसंद आई। कोर्टरूम अपने काम में इतना मशगूल रहता है जबकि आपका जीवन इस पर निर्भर करता है।

छोटे शहरों में भी देखी जाती हैं 'अस्सी' जैसी फिल्में

अनुभव सिन्हा का मानना है कि वो इस धारणा को तोड़ देंगे कि 'अस्सी' जैसी फिल्में जनता के लिए नहीं होती हैं। उन्होंने अपने जमीनी स्तर के अभियान 'चल सिनेमा चलें' के तहत भारत के 40 दूसरे दर्जे के शहरों का दौरा किया है। उनका कहना है कि यह एक गलत धारणा है। उन्होंने कहा कि अब मैं कह सकता हूं कि दूसरे दर्जे के शहरों में इस तरह की फिल्में नहीं देखी जातीं। वे सिर्फ जवान या कांतारा जैसी फिल्में देखते हैं। बेशक उन्हें वो फिल्में ज्यादा पसंद आती हैं। लेकिन इन फिल्मों में भी उनकी काफी दिलचस्पी है। दिक्कत ये थी कि हम उन्हें सही तरीके से फिल्म नहीं दिखा पा रहे थे। इसलिए इस बार मेरा पूरा अभियान घर-घर जाकर प्रचार करने पर केंद्रित है। पिछले दो महीनों से हम छोटे शहरों में फिल्म का प्रचार कर रहे हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।